हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 349 | बेमेतरा, मंगलवार 05 अगस्त 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

बुलंदशहर में संदिग्ध युवकों ने युवक की गोली मारकर की हत्या

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में हत्या की घटना से इलाके में दहशत है। थाना औरंगाबाद क्षेत्र के गांव दौलताबाद में बीती रात एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या की गई। इस वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 4 टीमें गठित की हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, दौलताबाद गांव में अपने दोस्त जितेंद्र के साथ घर लौट रहे संजय ने रास्ते में घूम रहे दो संदिग्ध युवकों को टोका था। उसी बात पर विवाद हुआ और फिर एक युवक ने पिस्टल निकालकर संजय पर फायर कर दिया। इस हमले में संजय की मौत हो गई। बताया जाता है कि संजय गांव में अपनी मां के साथ रह रहा था, जबकि उसकी पत्नी और बच्चे गाजियाबाद में रहते हैं। इस घटना से गांव के लोग दहशत में आ गए। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल से पिस्टल और कारतूस का खोखा बरामद किया। साथ ही, शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि संदिग्ध युवकों ने संजय के सिर में गोली मारी थी।

मंगोलपुरी में फायरिंग, 98 हजार रुपए और स्कूटी लेकर फरार हुए बदमाश

नई दिल्ली। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में फायरिंग और लूट की वारदात को बदमाशों ने अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, करीब आधा दर्जन यानी छह हथियारबंद बदमाशों ने इलाके में ताबड़तोड़ फायरिंग की। पुलिस तहकीकात कर रही है कि गोलीबारी की असल वजह क्या थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बदमाशों ने पहले इलाके में डर फैलाने के लिए गोलियां चलाईं। इसके बाद उन्होंने एक व्यक्ति से 98 हजार रुपए नकद और एक स्कूटी लूट ली। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि दिनदहाड़े इस तरह की वारदात से इलाके में सुरक्षा को लेकर डर बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी।

महाराष्ट्र में फर्जी करेंसी रैकेट का पर्दाफाश, 60 लाख के नोट जब्त

अहिल्या। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर नगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली नोटों की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 60 लाख रुपए के नकली नोट जब्त किए हैं और इस मामले में 7 लोगों को हिरासत में भी लिया है। अहिल्यानगर तालुका पुलिस ने ये कार्रवाई छत्रपति संभाजीनगर में की है। यहां नकली नोट छापने वाली एक फैक्ट्री चल रही थी। पुलिस की कार्रवाई में 500 की करेंसी वाले 60 लाख रुपए के नकली नोट और 2 करोड़ 16 लाख रुपए के नोट छापने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कागज बरामद किए हैं।

शिबू सोरेन के निधन पर तीन दिन का राजकीय शोक

पूर्व सीएम शिबू सोरेन का निधन पैतृक गांव नेमरा में अंतिम संस्कार

नई दिल्ली/रांची। एजेंसी

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का सोमवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। उनके निधन की पुष्टि उनके बेटे और झारखंड के मौजूदा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की। अपने शोक संदेश में उन्होंने लिखा, आज मैं अंदर से टूट गया हूँ। 'दिशोम गुरु' के नाम से पहचाने जाने वाले शिबू सोरेन बीते कुछ समय से गंभीर रूप से बीमार चल रहे थे और वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। उनके निधन की खबर से झारखंड सहित पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। शिबू सोरेन झारखंड राज्य की स्थापना के आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले नेताओं में से एक रहे। उन्होंने तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में और केंद्र में कोयला मंत्री जैसे प्रमुख पदों पर कार्य किया। वे जीवन भर आदिवासी अधिकारों और उनकी पहचान की लड़ाई लड़ते रहे, जिस कारण उन्हें झारखंड की आत्मा और 'जनजातीय चेतना के प्रहरीकी उपाधियाँ मिलीं। अपने पिता की मृत्यु पर भावुक प्रतिक्रिया देते हुए हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर लिखा: मेरे जीवन का सबसे पीड़ादायक क्षण है यह। पिताजी मेरे मार्गदर्शक और प्रेरणा थे। आज झारखंड की आत्मा हमसे विदा हो गई है। झारखंड सरकार ने दिवंगत नेता के सम्मान में तीन दिन के राजकीय शोककी घोषणा की है। शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर रांची लाया जाएगा, जहां आम जनता के दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। झामुमो कार्यकर्ता और आम जनता बड़ी संख्या में अंतिम

दर्शन के लिए जुटने की संभावना है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत तमाम बड़े नेताओं और सामाजिक संगठनों ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। देश के कोने-कोने से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिबू सोरेन के निधन की सूचना मिलने पर दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल पहुंचे। पीएम मोदी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री के परिजनों को सांत्वना देते हुए दिवंगत सांसद को श्रद्धांजलि भी दी। शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा। झारखंड के पैतृक गांव में कल दोपहर उनका पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो जाएगा। दोपहर करीब तीन बजे उन्हें मुखाग्नि दी जाएगी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर आज शाम छह बजे झारखंड लाया जाएगा। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को उनका पार्थिव शरीर सबसे पहले रांची के मोरहाबादी स्थित आवास पर लाया जाएगा। मंगलवार सुबह झामुमो के पार्टी कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद पार्थिव शरीर को झारखंड विधानसभा ले जाया जाएगा, जहां जनप्रतिनिधि और अधिकारी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा में किया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने झारखंड के अपने पूर्व समकक्ष को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और पड़ोसी राज्य की राजनीति में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया।

पीएम मोदी ने अस्पताल में किए शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन, हेमंत को गले लगाकर बंधाया ढांढस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को आज नई दिल्ली स्थित सर गंगा राम अस्पताल में श्रद्धांजलि अर्पित की, जहाँ उनका निधन हो गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक शिबू सोरेन का लंबी बीमारी के बाद 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। दिल्ली स्थित अस्पताल पहुँचे प्रधानमंत्री मोदी ने उनके परिवार के साथ तस्वीरें साझा कीं। एक्स पर साझा की गई एक तस्वीर में प्रधानमंत्री शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सांत्वना देते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो भावुक हो गए थे। मोदी ने एक्स पर लिखा कि श्री शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि देने के लिए सर गंगा राम अस्पताल गया।

रक्षाबंधन पर योगी का बहनों को तोहफा

तीन दिनों तक पूरी तरह से मुफ्त रहेगी बस यात्रा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाढ़ राहत कार्य में लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि बाढ़ शरणालय में महिला सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की जाए। वहीं बच्चों के लिए दूध उपलब्ध कराने और रेस्क्यू कार्य में छोटी-मझली नाव का प्रयोग न करने के सख्त हिदायत भी दी। वह रविवार को अपने सरकारी आवास पर बाढ़ग्रस्त इलाकों में राहत कार्य की समीक्षा कर रहे थे। सीएम ने कहा कि क्षति ग्रस्त मकानों का तत्काल सर्वे कर प्रभावित लोगों को मुख्यमंत्री

ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास व जमीन का पट्टा उपलब्ध कराया जाए। बाढ़ प्रभावित इलाकों में जिन चीजों की आवश्यकता हो, उसके लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को तत्काल बताएं ताकि उन चीजों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के गरथा गांव में यमुना नदी के पानी से घिरे क्षेत्र में लोग।

दिल्ली पुलिस के पत्र पर भड़कीं ममता

केंद्र की सरकार बंगाली विरोधी....ममता बनर्जी...

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दिल्ली पुलिस पर बांग्ला को कथित तौर पर बांग्लादेशी कहने का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा। उन्होंने केंद्र पर बंगाली भाषी लोगों का अपमान और अपमान करने के लिए संविधान-विरोधी भाषा का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। तृणमूल प्रमुख ने कथित तौर पर लोधी कॉलोनी पुलिस स्टेशन द्वारा लिखा गया एक पत्र साझा किया, जो दिल्ली के बंग भवन को संबोधित था और जिसकी विषय पंक्ति थी, बांग्लादेशी भाषा में

लिखे गए दस्तावेज़ों का अनुवाद। ममता बनर्जी ने दिल्ली पुलिस पर एक कथित पत्र में बंगाली को 'बांग्लादेशी राष्ट्रीय भाषा' करार दिये जाने पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह 'अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और असंवैधानिक' है।

सीएम नीतीश कुमार का ऐलान

बिहार में शिक्षक बहाली में लागू होगी डोमिसाइल पॉलिसी-सीएम

पटना/ एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को एक बड़े नीतिगत बदलाव की घोषणा की जिसका उद्देश्य भविष्य में शिक्षक भर्ती में राज्य के निवासियों को प्राथमिकता देना है। बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मज़बूत करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। नीतीश ने ङ्क पर एक पोस्ट में कहा नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से, हम शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था को मज़बूत करने के लिए बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने आगे

कहा कि शिक्षा विभाग को शिक्षक नियुक्तियों में बिहार के निवासियों को वरीयता देने के लिए संबंधित नियमों में संशोधन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने लिखा, यह टीआरई-4 से लागू होगा। टीआरई-4 वर्ष 2025 में और टीआरई-5 वर्ष 2026 में आयोजित किया जाएगा। नीतीश ने यह भी पुष्टि की कि एसटीईटी परीक्षा टीआरई-5 से पहले आयोजित की जाएगी। यह घोषणा राज्य द्वारा मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत लगभग 1.86 करोड़ उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करने की योजना को लागू करने के एक महीने से भी कम समय बाद आई है। इससे पहले नीतीश कुमार सरकार ने शुक्रवार को सरकारी स्कूलों में कार्यरत रसोइयों, रात्रि प्रहरियों और शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों का मानदेय दोगुना कर दिया। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ महीने शेष हैं।

राजा रघुवंशी मर्डर केस अब मृतक के भाई पर लगे गंभीर आरोप

इंदौर। मेघालय हनीमून मर्डर केस से सुर्खियों में आया इंदौर का रघुवंशी परिवार एक बार फिर नए विवादों में घिर गया है। मृतक राजा रघुवंशी के बड़े भाई सचिन रघुवंशी की पत्नी होने का दावा करने वाली एक महिला ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए सचिन को अपने बेटे का जैविक पिता बताया है। अपने दावे को पुख्ता करने के लिए महिला ने एक कथित डीएनए रिपोर्ट भी सार्वजनिक की है, जिससे इस हाई-प्रोफाइल मामले में एक नया मोड़ आ गया है। महिला ने 1 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि सचिन रघुवंशी ही उसके बेटे का पिता है। और डीएनए टेस्ट से इसकी पुष्टि हो चुकी है। महिला ने दावा किया कि सचिन ने उससे एक मंदिर में पूरे रीति-रिवाज के साथ शादी की थी।

चीनी कब्जे वाले बयान पर राहुल से 'सुप्रीम' सवाल

सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते,आपको पता कैसे चला...

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय सेना पर टिप्पणी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा कि उन्हें कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर चीन ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय सामग्री है? सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचने की नसीहत देते हुए कहा, 'आप विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी

बात कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। बता दें कि सेना पर टिप्पणी करने के इस मामले में समन के खिलाफराहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस दौरान राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अगर विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। अभिषेक सिंघवी ने कहा, 'अगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते।' पीठ की सच्चे भारतीय टिप्पणी पर अभिषेक सिंघवी ने जवाब दिया, 'यह भी संभव है कि एक सच्चा भारतीय कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया और मार डाला गया। यह भी चिंता का विषय है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने कहा, 'जब सीमा पार संघर्ष होता है।

गंगा का रौद्र रूप...वरुणा-गोमती भी उफनाई

मणिकर्णिका घाट पर शवों की कतार,पहली बार नमो घाट बंद

वाराणसी/ एजेंसी

वाराणसी में गंगा का जलस्तर रविवार को खतरे के निशान से 57 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। इससे बाढ़ का संकट और गहरा गया है। पहली बार नमो घाट को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। घाट पर बना आकर्षक नमस्ते संरचना अब पूरी तरह से डूबने की कगार पर है इसलिए पर्यटकों और श्रद्धालुओं की आवाजाही रोक दी गई है। इससे पहले नमो घाट पर बाढ़ का पानी इतना नहीं आया था। वहीं, जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि शीतला घाट की सड़क पर पानी पहुंच गया है। अस्सी घाट की सड़कों पर जलभराव है। सामने घाट की सड़क पर बाढ़ का पानी आ गया है। बाढ़ का पानी बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर से महज 800 मीटर दूर है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की सीढ़ियों की तरफ भी गंगा का पानी तेजी से बढ़ रहा है। शाम तक गंगा द्वार की 13 सीढ़ियां ही बची थीं। अगर जलस्तर बढ़ने का यही सिलसिला रहा तो सोमवार को गंगा द्वार की कुछ और सीढ़ियां डूब सकती हैं। जिला प्रशासन के मुताबिक, वाराणसी के 44 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इस कारण 1410 परिवारों को घर छोड़ना पड़ा है। 6244 किसानों की 1721 एकड़ फसल डूब गई है। इसी तरह शहरी क्षेत्र के 24 मोहल्ले भी बाढ़ से प्रभावित हैं। इन मोहल्लों में रहने वाले 6376 लोगों को घर छोड़ना पड़ा है। सड़कों पर पानी भर गया है। इससे आना-जाना बंद हो गया है। सबको बाढ़ राहत शिविर में जगह लेनी पड़ी है। गंगा जलस्तर दो सेंटी मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। पलट प्रवाह से वरुणा, नाद और गोमती नदी भी उफनाई हैं। इसका असर आबादी क्षेत्रों में दिख

रहा है। काशी के 84 घाटों को डुबोने के बाद गंगा शहर की ओर बढ़ चुकी हैं। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार सुबह गंगा का जलस्तर खतरे के निशान 71.26 मीटर से 57 सेंटीमीटर ऊपर बह रहा है। सोमवार सुबह गंगा का जलस्तर 72.03 मीटर से बह रहा है। गंगा के जलस्तर में हर घंटे दो सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हो रही है। रविवार की सुबह गंगा का जलस्तर 71.56 मीटर दर्ज किया गया था। रात आठ बजे तक जलस्तर 71.81 मीटर तक पहुंच गया। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास कार्यपालक समिति के अध्यक्ष मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने ललिता घाट से सरस्वती फाटक, भारत माता प्रतिमा और मुख्य परिसर सहित समस्त क्षेत्र में तैयारियां का जायजा लिया। न्यास के अधिकारियों को व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास जल पुलिस और एनडीआरएफ तैनात कर दी गई है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि शिव भक्त साचन के चौथे सोमवार को बाबा के विशेष स्वरूप में दर्शन पाएंगे। मणिकर्णिका की गलियों में नावें चल रही हैं। नाव से शव ले जाने के लिए शव यात्रियों से 200 से 500 रुपये अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं। शवों की कतार लगी है। अंतिम संस्कार के लिए पांच से छह घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। छत पर ही अंतिम संस्कार कराया जा रहा है।

वाराणसी में गंगा खतरे के निशान से ऊपर

वाराणसी में गंगा का जलस्तर रविवार को खतरे के निशान से 57 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया, जिससे बाढ़ की स्थिति और भी गंभीर हो गई है। पहली बार नमो घाट को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। घाट पर बनी आकर्षक 'नमस्ते' संरचना अब लगभग डूबने की स्थिति में है, जिसके चलते पर्यटकों और श्रद्धालुओं की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। इससे पहले कभी भी नमो घाट पर बाढ़ का पानी इस हद तक नहीं पहुंचा था। संगम नगरी प्रयागराज में बाढ़ ने ऐसी स्थिति बना दी है कि अब यह पहचानना मुश्किल हो गया है कि कहां गंगा है और कहां यमुना। किला घाट से लेकर झूंसी तक सब कुछ एकसमान जलमग्न हो गया है। दोनों नदियां यहां खतरे का संकेत दे रही हैं। सबसे भयावह स्थिति गंगा के तराई वाले इलाकों की है – बेला कछार, राजापुर, तेलियरगंज, सोनौटी और बघाड़ा जैसे इलाके पूरी तरह बाढ़ की चपेट में हैं।

भोपालपटनम में चौथी भव्य कांवड़ यात्रा संपन्न : 500 कांवड़िए और 200 महिला श्रद्धालुओं ने किया शिव जलाभिषेक

बीजापुर /मूक पत्रिका

श्रावण मास के पावन चौथे सोमवार को भोपालपटनम में धर्म, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्राचीन शिव मंदिर में आयोजित चौथी वार्षिक भव्य कांवड़ यात्रा में भोपालपटनम और आसपास के ग्रामीण अंचलों से आए 500 कांवड़ियों एवं 200 महिला श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने तिमेड़ घाट स्थित इंद्रावती नदी से पवित्र जल भरकर 4 किलोमीटर पैदल यात्रा कर भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।सुबह 8 बजे मां गंगा की पूजा-अर्चना के साथ यात्रा की शुरुआत हुई। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कांवड़िए 'हर हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयघोष करते हुए शिव मंदिर की ओर प्रस्थान किए। यात्रा मार्ग में नगरवासियों द्वारा फूल वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। नगर पंचायत द्वारा गोल्लागुड़ा चौक में पेयजल की विशेष व्यवस्था की गई थी।इस वर्ष की यात्रा में महिला श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही। सिर पर कलश लिए 200 महिलाओं ने पूरे मार्ग की पदयात्रा करते हुए भगवान शिव के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा प्रकट की।शिव मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था। भगवा ध्वज, रंग-बिरंगे तोरण और गेंदा फूलों की सजावट ने वातावरण को भक्ति रस से भर दिया। मंदिर पहुंचकर सभी श्रद्धालुओं ने विधिवत शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। उपरांत मंदिर समिति द्वारा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।आयोजन की सफलता में नगर पंचायत, स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस प्रशासन का सराहनीय योगदान रहा। सुरक्षा, सफाई और अन्य व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहीं।शिव मंदिर समिति के अनुसार यह परंपरा वर्ष 2022 से निरंतर जारी है और हर वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में उत्साहजनक वृद्धि हो रही है। यह यात्रा धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता और सेवा भावना की मिसाल बन चुकी है।श्रावण के चौथे सोमवार को संपन्न यह कांवड़ यात्रा भोपालपटनम की धार्मिक पहचान को और सशक्त करती है, जिसमें श्रद्धालुओं की गूंजती आस्था ने नगर को भक्ति से सराबोर कर दिया।

संपूर्णता अभियान में बीजापुर जिले को मिला राज्य स्तरीय सम्मान, उसूर विकासखंड को उत्कृष्ट कार्य के लिए काँस्य पदक

बीजापुर/मूक पत्रिका

संपूर्णता अभियान के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों और विकासखंडों को राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बेहतर कार्य के लिए चयनित जिलों और विकासखंडों को सम्मान पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर बीजापुर जिले के अपर कलेक्टर भूपेंद्र कुमार अग्रवाल को आकांक्षी विकासखंड उसूर में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संपूर्णता अभियान ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की रफ्तार को नया आयाम दिया है और यह अभियान अब जन-सरोकार से जुड़ा एक सशक्त माध्यम बन चुका है।मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सभी जिलों और विकासखंडों ने समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम कर यह साबित कर दिया है कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जमीनी स्तर पर परिवर्तन संभव है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह सम्मान कार्य कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।सम्मान समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, गुरु खुशवंत साहेब, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, नीति आयोग के सदस्य सचिव आशीष भट्ट, सदस्य के. सुब्रमण्यम सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। संपूर्णता अभियान के तहत एएनसी पंजीकरण, गर्भवती महिलाओं के पोषण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, बिजली युक्त स्कूल, समय पर पाठ्यपुस्तक वितरण, टीकाकरण, मधुमेह व रक्तचाप जांच और स्व-सहायता समूहों को निधि उपलब्धता जैसे छह प्रमुख संकेतकों पर विशेष ध्यान देते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया। इन प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में बहुआयामी प्रगति हुई है।

पूजरीकांकेर के जंगल में आईईडी ब्लास्ट, एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के उसूर थाना क्षेत्र में माओवादियों की कायराना करतूत एक बार फिर सामने आई है। पुजारीकांकेर गांव के जंगल में प्रेशर आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया।मिली जानकारी अनुसार घटना सोमवार 4 अगस्त की शाम लगभग साढ़े चार बजे से पांच बजे के बीच की है, जब पुजारीकांकेर स्कूलपारा निवासी कलमू गंगा पिता कलमू देवा (उम्र 50 वर्ष) रोज़ की तरह अपने पशुओं को चराने जंगल की ओर गया हुआ था।जैसे ही वह जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में पहुँचा, वहां माओवादियों द्वारा पहले से दबाकर रखा गया प्रेशर आईईडी अचानक फट गया, जिससे उसके पैर के तलवे में गंभीर चोटें आई। विस्फोट की आवाज सुनते ही केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पुजारीकांकेर कैम्प से सुरक्षाबल मौके पर पहुँचे और घायल ग्रामीण को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने के पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उसूर भेजा गया। बताया जा रहा है कि माओवादियों ने यह विस्फोटक सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के उद्देश्य से लगाया था, लेकिन इसकी चपेट में एक निर्दोष ग्रामीण आ गया। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि जंगलों और संवेदनशील इलाकों में अत्यधिक सतर्कता बरतें। किसी भी संदिग्ध वस्तु, व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत निकटतम पुलिस थाना या सुरक्षा बल कैंप को दें, ताकि ऐसे हादसों को रोका जा सके और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस टीम की कार्यवाही, हत्या की नियत से वाहन चढ़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

घटना में प्रयुक्त वाहन को भी किया गया जप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते 24 जून 2025 को प्रार्थी विकास तिवारी पिता रामाश्रय शर्मा उम्र 32 वर्ष, ग्राम मटका थाना व जिला बेमेतरा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि ग्राम मटका में तिवारी धर्मकांटा एवं ट्रेडर्स का संचालक है। दिनांक 11.06.2025 को सुबह लगभग 09:25 बजे जब वह अपने धर्मकांटा में उपस्थित था, उसी समय उसके पिताजी रामाश्रय शर्मा बोर चालू करने पीछे गए थे। अचानक झगड़े की आवाज सुनकर जब वह मौके पर पहुंचा, तो देखा कि पड़ोसी सुरेन्द्र जाट उसके पिताजी के साथ विवाद कर रहा था। बीच-बचाव करने के पश्चात जब वह अपने पिताजी को लेकर धर्मकांटा के पीछे आया, तभी सुरेन्द्र कुमार जाट ने हत्या की नीयत से अपनी कार क्रमांक छ्त्त 04 स्क्ष5551 को चलाते हुए इसके उपर के ऊपर वाहन चढ़ा दिया, जिससे वह गिर गया। इसके बाद सुरेन्द्र कुमार जाट ने वाहन को रिवर्स करते हुए पुनः उसके ऊपर चढ़ाने का प्रयास किया। इस हमले में इसके उपर (विकास) को सीने, पेट, बाएं पैर की जांघ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई। घायल अवस्था में प्रार्थी को प्राथमिक उपचार हेतु जिला अस्पताल बेमेतरा ले जाया गया, जहाँ से उन्हें सेक्टर 9 अस्पताल भिलाई रिफर किया गया। वहां दिनांक 11.06.2025 से 16.06.2025 तक भर्ती रहकर इलाज कराया गया। इस रिपोर्ट पर थाना बेमेतरा में धारा 109 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार, अति. पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह एवं एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा उप निरीक्षक मयंक मिश्रा के साथ थाना स्टाफ द्वारा विवेचना कार्य प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान आरोपी सुरेन्द्र कुमार जाट, उम्र 33 वर्ष, निवासी मटका, थाना बेमेतरा, से पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपराध करना स्वीकार किया। घटना में प्रयुक्त वाहन कार क्रमांक छ्त्त 04 स्क्ष5551 को जप्त कर लिया है। आरोपी सुरेन्द्र कुमार जाट पिता स्व. भेरूराम जाट उम्र 33 वर्ष, निवासी मटका, थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा, जिला बेमेतरा को बीते रविवार को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया।

इस संपूर्ण कार्यवाही में- थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा उप निरीक्षक मयंक मिश्रा, उप निरीक्षक शैल शर्मा, सउनि दीनानाथ सिन्हा, आरक्षक रमन चंद्राकर सहित थाना बेमेतरा के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने सुनी आम जनता की शिकायतें, निराकरण का दिया आश्वासन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) द्वारा आम नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं की जनसुनवाई की गई। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी-अपनी शिकायतें एवं समस्याएं प्रस्तुत की। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए एसएसपी ने संबंधित थाना/चौकी प्रभारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तात्कालिक महत्व की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि विस्तृत जांच की आवश्यकता वाले प्रकरणों को विधिवत शिकायत के रूप में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर स्टेनो सउनि (अ) अजय कुमार देवांगन, एसएसपी रीडर सउनि विष्णु सप्रे सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कंचन रेस्टोरेंट में शराबखोरी, पुलिस की दबिश, संचालक पर हुई कार्रवाई

- चांपा शहर के बीचोबीच रेस्टोरेंट के आड़ में पड़ोसी जा रही शराब

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

शहर के लायंस चौक स्थित कंचन रेस्टोरेंट एंड कैफे में देर रात चांपा पुलिस ने दबिश देकर शराब पिलाते रंगे हाथों पकड़ा। यह कार्रवाई तब की गई जब पुलिस को लगातार इस रेस्टोरेंट में अवैध रूप से शराब परोसने की शिकायतें मिल रही थीं।

जानकारी के अनुसार कंचन रेस्टोरेंट संचालक गणेश साहू द्वारा रेस्टोरेंट की आड़ में शराब पिलाई जा रही थी। जैसे ही पुलिस को इसकी पुख्ता सूचना मिली, तुरंत टीम मौके पर पहुंची और छापा मारा। पुलिस ने मौके से शराब पिलाने वालों को पकड़कर थाने लाया और कार्रवाई की। रेस्टोरेंट के संचालक गणेश साहू के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर उसे मुचलके पर छोड़ दिया गया है। साथ ही चांपा पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर दोबारा ऐसी गतिविधि पाई गई, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने रात 10 बजे के बाद दुकान बंद करने के निर्देश भी जारी किए हैं।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह रेस्टोरेंट शहर के प्रमुख अस्पताल-मेडिकल, व्यावसायिक और पारिवारिक क्षेत्र लायंस चौक में स्थित है, जहां परिवार अपने बच्चों के साथ खाना खाने आते हैं। ऐसी जगह पर शराब पिलाने जैसी गतिविधि से आम जनता में आक्रोश है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि रेस्टोरेंट की आड़ में शराब पिलाया जाता है, तो यह पूरे शहर के माहौल को दूषित कर देगा। पुलिस की यह कार्रवाई एक सख्त संदेश है कि सार्वजनिक स्थलों पर कानून तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

अलग अलग जगहों से अवैध शराब बिक्री करने वाले 03 आरोपियों को किया गिरफ्तार थाना चांपा/नवागढ़/पामगढ़ पुलिस की कार्यवाही

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

मामले में आरोपियों के कब्जे से 14 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब एवं 40 पाव देशी प्लेन, अंग्रेजी शराब जुमला कीमती 10000/? शराब परिवहन में प्रयुक्त एक स्कूटी बरामद। आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा गया न्यायिक रिमांड पर।*पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिले में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लाने के लिए जिला पुलिस जांजगीर द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है इसी क्रम में *अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप के मार्गदर्शन में अवैध शराब बिक्री करने वालों के विरुद्ध रेड कार्यवाही किया गया जिसमें थाना पामगढ़ पुलिस द्वारा आरोपी प्रदीप रात्रे उम्र 44 वर्ष साकिन भैंसो नवापारा थाना पामगढ़ के कब्जे से 08 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब *थाना चांपा पुलिस द्वारा आरोपी संतोष कुमार राठौर उम्र 48 साल निवासी कोसमंदा के कब्जे से 33 पाव देशी प्लेन शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त एक स्कूटी थाना नवागढ़ पुलिस द्वारा आरोपी दीपक लहरें उम्र 27 साल निवासी केरा थाना नवागढ़ के कब्जे से 6.15 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब एवं 07 पाव देशी प्लेन/अंग्रेजी शराब बरामद किया जाकर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

सचिव बोला मेरे ख़िलाफ़रची जा रही साजिश

प्रधानमंत्री आवास योजना में गड़बड़ी : सचिव पर भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़ा और धमकी देने के गंभीर आरोप

बीजापुर (आशीष पदवार)/मूक पत्रिका

जिले की ग्राम पंचायत मण्डेम में प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में बड़े स्तर पर गड़बड़ी का मामला सामने आया है। योजना के तहत निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार, फर्जी दस्तावेजों का उपयोग और ग्रामीणों को धमकाने जैसे गंभीर आरोप पंचायत सचिव महेश जंगम पर लगाए गए हैं। सरपंच, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने एकजुट होकर कलेक्टर से शिकायत कर सचिव को हटाने और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रिश्तेदार से कराया निर्माण, गुणवत्ता में भारी कमी-ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव महेश जंगम ने अपने भांजे को ठेका दिलवाकर प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण कार्य सौंपा। निर्माण में बेहद घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। केवल 10मिमी की सरिया का उपयोग कर मकानों को कमजोर और छोटे बाथरूम जैसे बना दिया गया है। हितग्राहियों से जबरन पैसा लिया गया और निर्माण में उनकी सहमति तक नहीं ली गई।

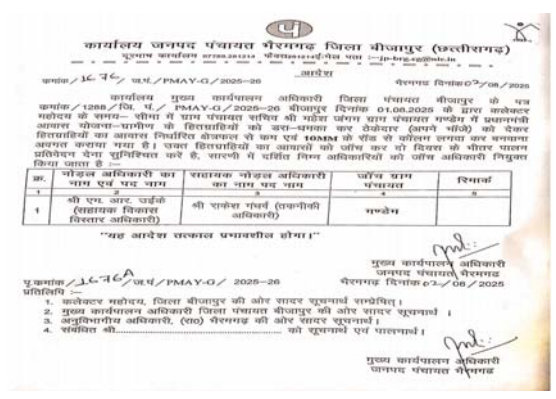

फर्जी दस्तखत कर भेजे प्रस्ताव, पंचायत में गैरहाजिर रहता सचिव-सरपंच नागुबाई ने बताया कि सचिव पंचायत कार्यों में रुचि नहीं लेता और अधिकांश समय अनुपस्थित रहता है। जरूरी दस्तावेज जैसे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र भी समय पर जारी नहीं करता। उन्होंने कहा कि सचिव फर्जी सील और दस्तखत कर प्रस्ताव शासन को भेजता है और ग्रामसभा की स्वीकृति भी नहीं लेता। ग्रामीण प्रकाश गोटा, सुरेश कुरसम, राजेश गुड़मा सहित अन्य लोगों ने बताया कि जब सचिव से सवाल पूछे जाते हैं तो वह धमकाने लगता है। कुछ भी बोलोगे तो देख लूंगा जैसी बातें कहकर लोगों को डराता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सचिव तानाशाही तरीके से पंचायत चला रहा है और योजनाओं का मनमाना संचालन कर रहा है।

सीईओ भैरमगढ़ ने दिए जाँच के निर्देश- सरपंच नागुबाई, जनपद सदस्य कमलाबाई और ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए ,जनपद पंचायत भैरमगढ़ की सीईओ ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच के लिए नोडल अधिकारी एम.आर. उईके और तकनीकी सहायक राकेश गंधर्व को नियुक्त किया गया है। उन्हें शीघ्र जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

सचिव का बयान-सचिव महेश जंगम ने सभी आरोपों को नकारते हुए बताया की प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि सीधे हितग्राहियों के खाते में डाली गई है। कार्य भी इंजीनियर की देखरेख में कराया जा रहा है।शिकायतकर्ता प्रकाश गोटा स्वय निर्माण कार्य करना चाहता था। मेरे द्वारा राशि हितग्राहियों को सीधे खाते में ट्रांसफर होने की बात कहने पर मुझे देख लेने की धमकी भी दिया है। शिकायत करके मुझ पर दबाव बनाने का प्रयास प्रकाश गोटा द्वारा किया जा रहा है।

भिंभौरी सेवा सहकारी समिति में खाद वितरण में बड़ी उपलब्धि, डीएपी 108% और एसएसपी 153% वितरण दर्ज, यूरिया की सुचारु आपूर्ति जारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खरीफ वर्ष 2025 के लिए जिले की सेवा सहकारी समिति भिंभौरी में खाद वितरण की प्रक्रिया में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। इस वर्ष समिति ने खाद वितरण और भंडारण के क्षेत्र में पिछले वर्ष की तुलना में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिससे क्षेत्र के किसानों को लाभ मिल रहा है। सेवा सहकारी समिति भिंभौरी द्वारा गत वर्ष 2024 में 442.125 मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया गया था। इस वर्ष अब तक 338.400 मीट्रिक टन यूरिया का भंडारण कर लिया गया है, जिसका वितरण लगातार किया जा रहा है। यह गत वर्ष की तुलना में 76.53त्र है। इसी प्रकार, पिछले वर्ष जहाँ 37.960 मीट्रिक टन डीएपी का वितरण किया गया था, वहीं इस वर्ष अब तक 40.000 मीट्रिक टन डीएपी का भंडारण कर वितरण किया जा रहा है, जो 108त्र की बढ़त को दर्शाता है। एमओपी की बात करें तो वर्ष 2024 में 80.050 मीट्रिक टन वितरण हुआ था जबकि इस वर्ष 100.000 मीट्रिक टन का वितरण हो चुका है, जो 80त्र की प्रगति है। एसएसपी के क्षेत्र में सबसे उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है–पिछले वर्ष के 114.70 मीट्रिक टन की तुलना में इस वर्ष 175.950 मीट्रिक टन एसएसपी का वितरण हुआ है, जो 153.40त्र की बढ़त है। वहीं 20:20:0:13 खाद का वितरण इस वर्ष 75.00 मीट्रिक टन हुआ, जबकि गत वर्ष 104.120 मीट्रिक टन वितरण हुआ था, जो 72त्र के बराबर है। भिंभौरी समिति के माध्यम से किसानों को केसीसी के तहत भी सहायता प्रदान की जा रही है। गत वर्ष समिति के 1945 केसीसी धारक किसानों को ऋण वितरित किया गया था। इस वर्ष 27 नए केसीसी कार्ड बनाए गए हैं। किसानों को एग्री-स्टैक पोर्टल में पंजीयन कर खाद वितरण प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाया गया है। अब तक कुल खाद वितरण का लगभग 80त्र वितरण केसीसी माध्यम से पूरा कर लिया गया है। जिले के उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना ने जानकारी दी कि खाद की आपूर्ति और वितरण पर जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। रैक पॉइंट से नियमित रूप से खाद की आपूर्ति की जा रही है और समितियों में मांग के अनुसार भंडारण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले को गतवर्ष के कुल डीएपी वितरण का 56त्र भाग अब तक प्राप्त हो चुका है, जबकि इसके विकल्प के रूप में 132त्र एनपीके और 162त्र एसएसपी प्राप्त हो चुका है। इस प्रकार बेमेतरा जिले को अब तक कुल 97त्र खाद गत वर्ष की तुलना में प्राप्त हो चुका है, जिससे खरीफ फसल की तैयारी और रोपाई कार्य में किसानों को कोई बाधा न हो। आज जिले को 500 मीट्रिक टन अतिरिक्त यूरिया प्राप्त हुआ है, जिससे आगामी दिनों में खाद की मांग को और बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकेगा।

जिला प्रशासन की ओर से अपील–कृषि विभाग और जिला प्रशासन किसानों से अपील कर रहे हैं कि वे पंजीयन उपरांत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार खाद प्राप्त करें और अनुशासित तरीके से वितरण व्यवस्था में सहयोग करें। खाद की उपलब्धता पर्याप्त है और किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें।

मंदसौर से आए कृषि अधिकारियों ने जिले के लिनन प्रयोगशाला का किया शैक्षणिक भ्रमण, अलसी से धागा निर्माण की प्रक्रिया का लिया व्यावहारिक अनुभव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, बेमेतरा में स्थित लिनन फ्रॉम लिनसीड स्टॉक्स (लिनन प्रयोगशाला) इकाई का भ्रमण करने के लिए मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले से कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ एवं अधिकारीगण पहुंचे। यह भ्रमण शैक्षणिक एवं तकनीकी ज्ञानवर्धन की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। मंदसौर कृषि विज्ञान केंद्र से वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. राजेश गुप्ता, डिप्टी डायरेक्टर ऑफ एग्रीकल्चर श्रीमती अमिता धाकड़ एवं एफपीओएस मंदसौर एग्रो इंडस्ट्री प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से राकेश पाटीदार इस भ्रमण दल में शामिल हुए। उन्होंने महाविद्यालय की लिनन फ्रॉम लिनसीड स्टॉक्स इकाई का निरीक्षण किया और अलसी के डंठल (स्टॉक्स) से धागा निर्माण तथा उससे कपड़ा तैयार करने की पूरी प्रक्रिया को करीब से देखा और समझा। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. संदीप भडारकर ने अतिथियों को लिनन इकाई की स्थापना, उसके उद्देश्य, तकनीकी पहलुओं और नवाचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं सहायक प्राध्यापक डॉ. टी. डी. साहू ने लिनन निर्माण की चरणबद्ध प्रक्रिया जैसे रेटिंग, ड्रायिंग, ब्रेकिंग, स्कचिंग एवं स्पिनिंग आदि को विस्तारपूर्वक समझाया। इस शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में सह-प्राध्यापक डॉ. यू. के. ध्रुव एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. साक्षी बजाज भी उपस्थित रहीं। मंदसौर से आए अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अलसी जैसे परंपरागत फसल से इस प्रकार का नवाचार किसानों की आय में वृद्धि के लिए प्रेरक साबित हो सकता है। भविष्य में इस तकनीक के आदान-प्रदान और अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं को लेकर भी सकारात्मक चर्चा हुई। इस तरह का आपसी संवाद कृषि के क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देने की दिशा में एक उपयोगी प्रयास माना जा रहा है।

उमेश सिंह पैनल ने माँ दंतेश्वरी के दर्शन कर नामांकन पत्र किया दाखिल

किरंदुल /मूक पत्रिका

दक्षिण बस्तर में ट्रक मालिकों की सबसे बड़ी संस्था बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन की 25 जुलाई को बिटीओ के सभागार में हुई आमसभा में संस्था के सभी सदस्यों ने एक मत से आगामी 13 अगस्त कोबिटीओ के वार्षिक चुनाव करवाने पर मुहर लगा दी थी ।13 अगस्त को होने वाले बिटीओ के एक वर्षीय चुनावके लिए जारी अधिसूचना के अनुसार 3 अगस्त को प्रत्याशियों को नामांकन पत्र मिलेगा । 4 अगस्त कोनामांकन पत्र दाखिल करने की तिथि रखी गई है । साथ ही 5 अगस्त को उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आबंटनकिया जाएगा ।नाम वापसी और स्कूटनी की तिथि भी 5 अगस्त ही रखी गई है। साथ ही सभी सदस्यों की सहमति से चुनाव अधिकारी के द्वारा एक चुनाव संचालन समिति का भी गठन किया गया है । इस ही चुनावी दौर में उमेश सिंह गौतम के पैनल के सचिव पद के उम्मीदवार आकाश गोयल,उपाध्यक्ष पद के लिए राहुल असरानी एवं दीपक बढ़ई,कोषाध्यक्ष पद के लिए मनीष नायक,सह सचिव पद के लिए वैभव गौरांग साहा,एवं अविनाश कर्माकर ने अपने समर्थकों के साथ बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के दरबार दंतेवाड़ा पहुंच पूजा अर्चना के बाद जीत का आशीर्वाद मांगने के बाद बिटीओ कार्यालय पहुंच कर अपने पैनल के सदस्यों का नामांकन पत्र जमा किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत पंडरभट्ठा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

महिलाओं को दी गई स्वास्थ्य एवं पोषण की जानकारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) द्वारा भारत सरकार की कार्ययोजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित, सक्षम और सशक्त बनाने के उद्देश्य से ग्राम पंडरभट्ठा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व स्तनपान सप्ताह (01 से 07 अगस्त 2025) के अवसर पर गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना था। जिला कार्यक्रम अधिकारी सिसोदिया ने माताओं को 6 माह तक अनवरत स्तनपान कराने, पहले पीले गाढ़े दूध (कोलेस्ट्रम) के लाभ, तथा 'रेडी टू ईट' पोषण आहार, तिरंगा भोजन, और स्थानीय साग-सब्जियों व फलों के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी। साथ ही संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, मातृ एवं शिशु मृत्युदर में कमी लाने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिनमें प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, नोनी सुरक्षा योजना, छत्तीसगढ़ महिला कोष की सक्षम योजना और ऋण योजनाएं प्रमुख रहीं। प्रधानमंत्री मातृवंदना विशेष पंजीकरण अभियान (15 जुलाई से 15 अगस्त 2025) के तहत गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर पोषण युक्त गर्भावस्था के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। योजना के तहत प्रथम बच्चे के लिए कुल ?5000 और दूसरे बच्चे (बालिका होने पर) हेतु ?6000 की सहायता राशि प्रदान की जाती है। पात्र महिलाएं पंजीकरण के लिए निकटतम आंगनबाड़ी केंद्र या आशा कार्यकर्ता से संपर्क कर सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान 26 किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं को एक माह का निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर श्रीमती पिंकी निषाद द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण करने पर उन्हें जिला कार्यक्रम अधिकारी सिसोदिया और ग्राम सरपंच श्रीमती वेदशिखा साहू के करकमलों से प्रशस्ति-पत्र वितरित किए गए और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-02 परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर प्रभारी परियोजना अधिकारी स्मिता सिंह, जिला मिशन समन्वयक राजीव कुमार वर्मा, जेण्डर विशेषज्ञ श्रीमती सेवन्तिका साहू, सखी वन स्टॉप सेंटर की केन्द्र प्रशासक राखी यादव, पर्यवेक्षक श्रीमती रूचि ठाकुर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं, 80 आवेदन हुए प्राप्त, संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने बीते सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुना। जनदर्शन में कुल 80 आवेदन प्राप्त हुए, कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में तहसील मुख्यालय सारागांव निवासी पवन सिंह द्वारा निराश्रित पेंशन दिलाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने उप संचालक समाज कल्याण को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। नगर पंचायत खरौद निवासी आसा प्रकाश यादव द्वारा राशन कार्ड से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर जिला खाद्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार बीते सोमवार को जनदर्शन में पीएम आवास योजना, आर्थिक सहायता, ऋण प्रदाय सहित अन्य विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर महोबे ने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई करे।

कांवड़ यात्रियों ने बाबा सोमनाथ मंदिर में जलाभिषेक कर धर्मलाभ प्राप्त किया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला मे श्रावण मास के पावन अवसर पर बोल बम कांवड़ यात्रा समिति के तत्वावधान में बेरला ब्लॉक के ग्राम पंचायत बारगांव से भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा और पूरे मार्ग में ÷हर हर महादेव÷ व ÷जय श्रीराम÷ के गगनभेदी जयकारों से वातावरण गूंज उठा।यात्रा का विशेष आकर्षण जय मां शाकंभरी जस बईहा झांकी परिवार भिलाई की भव्य झांकी रही, जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यात्रा बारगांव से प्रारंभ होकर तेलगा, आनन्दगाँव, पाहंदा, अछोली, जमघट, चेटूवा, सहगांव, खुड़मुड़ा, भरदा और मुड़पार होते हुए सोमनाथ मंदिर पहुँची।सोमनाथ मंदिर पहुँचकर कांवड़ यात्रियों ने बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पुण्यलाभ प्राप्त किया। जलाभिषेक उपरांत महाप्रसादी भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश मंत्री अवधेश सिंह चंदेल, भाजपा भींभौरी मंडल महामंत्री पोषण वर्मा, भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भोलाशंकर वर्मा, आईटी सेल जिला संयोजक भाजपा सौरभ मिश्रा, सरदा भाजपा मंडल अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा, जनपद बेरला सदस्य गौकरण साहू, नीरज राजपूत, जनपद प्रतिनिधि खेलन साहू, लालू साहू सहित युवा मोर्चा भींभौरी के पदाधिकारी व वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित रहे। आईटी सेल जिला संयोजक भाजपा सौरभ मिश्रा ने जानकारी देते हुए कहा कि ÷यह कांवड़ यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज को एकजुट करने और युवाओं को सकारात्मक ऊर्जा देने का माध्यम भी

मुख्य महाप्रबंधक एनएमडीसी बचेली से बी.टी.ओ.ए के सदस्यों ने मुलाकात कर बाधित मार्ग को शुरू करने हेतु सौंपा ज्ञापन

बचेली/मूक पत्रिका

मुख्य महाप्रबंधक कोडोली श्रीधर ,एन.एम.डी.सी. लिमिटेड बचेली काम्प्लेक्स से दक्षिण बस्तर की एक मात्र सबसे बड़ी ट्रक मालिकों की संस्था बैलाडीला ट्रक ओनर्स एस्सोसिएशन (बी.टी.ओ.ए.) के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात कर लोडिंग पॉइंट के रोड की समस्या से अवगत करवाया 7 मुख्य महाप्रबंधक श्रीधर ने अति शीघ्र ही पुनः सुचारु रूप से लोडिंग शुरू करवाने एवं पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है 7 विगत एक दिवस पूर्व बचेली में भारी बारिश के चलते एनएमडीसी का पुराना मार्केट स्थित टेलिंग डेम सुबह लगभग 10.30 बजे ढह गया। जिससे जन जीवन को हताहत होने की किसीप्रकार की कोई सूचना नहीं हैं। वहीरामधर कश्यप, चालकी पारा बचेली के ट्रक मालिक का ट्रक जोकी ठीक इसी डेम के नीचे लोडिंग प्लांट जाने वाली सड़क में खराब होंगया था, कटाव के चपेट में आ गया।विदित हों की बचेली में लगातारकुछ दिनों से भारी बारिश हो रही थीं।भारी बारिश के चलते मिट्टी से बनाचेक डेम जो लगभग 52-55 बर्षपूर्व बना था, कल ढह गया।बी.टी.ओ.ए के सदस्य,स्थानीय जन प्रतिनिधियों,एनएमडीसी के अधिकारीकर्मचारियों के द्वारा डेम के आसपास निवासरत लोगों कोआपातकालीन दुर्घटना से सचेतरहने को कहा गया । एनएमडीसी प्रशासन एवं बी.टी.ओ.ए के सदस्यों द्वारा मिट्टी के गाद उठाने के लिएपोकलेन बड़े ड्रोजर मशीनों कीव्यवस्था करके लोडिंग प्लांट जानेवाली सड़क मार्ग का सफाई कीगयी। लोडिंग प्लांट जाने वालीसड़क मार्ग में मिट्टी के गाद भर जाने से सुरक्षागत कारणों से लौह अस्यक का परिवहनरोक दिया गया,प्रतिदिन 300 गाड़ियों में इसी मार्ग से लोह अयस्क लोडिंग हेतु जाती है जिससे ट्रक मालिकों एवं इस व्यवसाय से जुड़े हुए आम लोगो के सामने बड़ी संकट उत्पन्न हुई है 7 इस दौरान उमेश सिंह गौतम,राहुल असरानी,आकाश गोयल,मनीष नायक,अनिल यादव,विक्रम अग्रवाल,गौरव सिंह,डिवीन थॉमस,सुनील एवं बी.टी.ओ.ए संस्था के सदसयगण उपस्थित रहे ।

अर्धनारीश्वर बाबा को किया जलाभिषेक

सावन के अंतिम सोमवार को शिवपुर धाम में उमड़ा श्रद्धा का जन सैलाब

सुरजपुर/प्रतापपुर/मूक पत्रिका

प्रतापपुर से चार किलोमीटर दूर स्थित शिवपुर धाम बना आस्था का केंद्र,तथा प्रतापपुर के प्राचीन शिव मंदिर पक्की तालाब के सामने, वा पारदेश्वर शिव मुरली मंदिर मिशन रोड में बाबा भोलेनाथ के दरबार में मनोकामना लेकर पहुंचे श्रद्धालु के पहले सोमवार को श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। अर्धनारीश्वर रूपी बाबा जलेश्वरनाथ एवं प्रतापपुर स्थित शिव मंदिर, एवं परदेश्वर मंदिर,के दर्शन हेतु सुबह से ही हजारों श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुंचने लगे और गंगाजल, दूध व पुष्प से जलाभिषेक कर अपनी मनोकामनाएं प्रकट कीं।

अद्वितीय है शिवपुर धाम की महिमा –यह प्राचीन शिवधाम न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यहां का आध्यात्मिक वातावरण, प्राकृतिक सौंदर्य और अर्धनारीश्वर शिवलिंग की दुर्लभता इसे विशेष बनाती है। यहां शिव और शक्ति एक ही स्वरूप में पूजित होते हैं, जिससे यह स्थल समरसता और संपूर्णता का प्रतीक बन गया है।सावन की पहली अंतिम सोमवार को श्रद्धालु ग्राम-ग्राम से पैदल, वाहन और बाइक से आकर सुबह चार बजे से ही लंबी कतारों में लग गए थे। हाथों में जल कलश, फूल और बेलपत्र लिए लोग अपने परिवार की खुशहाली, रोग निवारण और जीवन में सुख-शांति की कामना के साथ बाबा को जल चढ़ाते नजर आए।

धार्मिक माहौल में गूंजा 'हर हर महादेव–मंदिर प्रांगण भजनों, घंटियों और शंखध्वनि से गूंज उठा। महिलाओं ने पारंपरिक गीतों के साथ पूजा-अर्चना की। युवाओं ने जल लेकर बाबा के चरणों में अर्पित किया और बुजुर्गों ने मंदिर परिसर में बैठकर ध्यान-साधना की।

मान्यता और इतिहास –स्थानीय जनश्रुतियों के अनुसार, इस स्थान पर शिवलिंग की उत्पत्ति स्वयंभू रूप में हुई थी, जिसे बाद में अर्धनारीश्वर स्वरूप में पूजनीय बनाया गया। मान्यता है कि जो भी यहां सच्चे मन से बाबा को जल अर्पित करता है, उसकी हर इच्छा पूर्ण होती है। जहां सावन सोमवारी पर मेल जैसा माहौल देखने को मिलता है। शिवपुर धाम की यह सोमवारी न केवल धार्मिक अनुष्ठान का अवसर थी, बल्कि यह श्रद्धा, परंपरा और एकता का जीवंत उदाहरण भी बनी। बाबा जलेश्वरनाथ की छाया में हजारों भक्तों ने मन, वचन और कर्म से आस्था की आहुति अर्पित की – यही है सूरजपुर की सांस्कृतिक आत्मा-वहीं हर हर महादेव की गूंज से पूरा नगर भक्ति में हो गया कांवरियों का हजारों की संख्या में जाता और डीजे के धुन के साथ में नाचते हुए हजारों की संख्या में कांवरियों का हुजूम ने बाबा जलेश्वर नाथ शिवपुर धाममें जलाभिषेक कर पूजन किया कितना भीड़ हुआ की विशाल का मेला में पूरा प्रतापपुर सहित शिवपुर धाम भगवा में हो गया वही प्रतापपुर विकासखंड के 101 ग्राम पंचायत सहित बिहार उत्तर प्रदेश झारखंड सीमावर्ती राज्य से भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और हर-हर महादेव की गूंज से पूरा नगर भक्ति में हो गया। आज तक कितना भारी संख्या में कांवरियों का हुजूम कभी नहीं देखा गया था बीते सोमवार को प्रतापपुर में सावन सोमवारी पर ऐसा लग रहा था कि चारों ओर लाखों की संख्या में प्रतापपुर नगर में भक्त आ गए हो चारों तरफ जाम की स्थिति बन रही थी। शिवपुर में भी मेला जैसा आयोजन देखने को मिला

जगह-जगह जाम की स्थिति बनने की वजह से भारी दिक्कतों का भी सामना लोगों को करना पड़ा, वही शिवपुर रोड में अंग्रेजी शराब दुकान होने के कारण अंग्रेजी शराब दुकान के बाहर शराब लेने वाला का मेला लगा हुआ था। ऐसा लग रहा था कि शराब नहीं सोसाइटी में मिट्टी तेल लेने के लिए लाइन में लोग खड़े हो, अंग्रेजी शराब दुकान में आज जमकर बिक्री हुई है। मानिए जैसे लोग भांग में नहीं नशे में झूम रहे हो।

MLA फेलोशिप प्रोग्राम' का भव्य शुभारंभ आज, युवाओं के लिए बेमेतरा में एक ऐतिहासिक पहल

बेमेतरा । क्षेत्र के युवाओं के लिए एक ऐतिहासिक क्षण आने वाला है। आज 5 अगस्त 2025 (मंगलवार) को बेमेतरा में ÷ऋ फेलोशिप प्रोग्राम÷ का औपचारिक शुभारंभ होने जा रहा है। इस कार्यक्रम की

विधायक दीपेश साहू के नेतृत्व में बेमेतरा के युवाओं को मिलेगा नेतृत्व और विकास का नया मंच

पहल निःशुल्क कोचिंग सेंटर श्री राम एकेडमी के तत्वाधान बेमेतरा विधायक दीपेश साहू के मार्गदर्शन मे की गई है, जो युवाओं को शैक्षणिक, सामाजिक और प्रशासनिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है। कार्यक्रम मे जिले के युवा, छात्र - छात्राऐ, मीडिया प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में यह आयोजन भव्य रूप से संपन्न होगा।

संपादकीय

पाकिस्तान का चेहरा फिर बेनकाब

अमेरिका की ओर से 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किए जाने के बाद अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक ताजा रपट ने इस तथ्य की सत्यता के आधार को और मजबूत कर दिया है। सुरक्षा परिषद की किसी रपट में पहली बार टीआरएफ का जिक्र किया गया है और साथ ही इस बात को भी माना है कि यह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक मुखौटा है। इससे न केवल आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक स्तर पर भारत के प्रयासों को बल मिला है, बल्कि पाकिस्तान एक बार फिर दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाला आतंकी संगठन टीआरएफ ही था और उसने बाकायदा इसकी जिम्मेदारी भी ली थी। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद उसने किसी खास रणनीति के तहत अपना बयान वापस ले लिया था। सुरक्षा परिषद के इस कदम को भारत की कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने टीआरफ के नापाक मंसूबों को दुनिया के सामने उजागर किया था और अब सुरक्षा परिषद ने भी इस आतंकी संगठन को चिह्नित कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम हमले के बाद एक बयान जारी कर कहा था कि ऐसे घृणित आतंकवादी कृत्य के लिए जिम्मेदार अपराधियों, साजिशकर्ताओं, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कठघरे में लाना जरूरी है। हालांकि, पाकिस्तान के दखल के कारण उस बयान में टीआरएफ का जिक्र नहीं किया गया था। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने तब अपनी संसद में खुद यह दावा किया था कि उन्होंने सुरक्षा परिषद के बयान से टीआरएफ का नाम हटवा दिया है। दरअसल, पाकिस्तान की पहले से यह रणनीति रही है कि उसकी धरती पर फैल रहे आतंक के वृक्ष को वैश्विक स्तर पर चिह्नित नहीं होने दिया जाए। अब सुरक्षा परिषद की इस रपट में टीआरएफ का नाम आना यह साबित करता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की सच्चाई सामने आ रही है। साथ ही यह इस बात का भी संकेत है कि दुनिया आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के दावों को किस नजरिए से देखती है। रपट में एक देश के उन दावों को भी खारिज कर दिया गया है कि लश्कर-ए-तैयबा निष्क्रिय हो चुका है। माना जा रहा है कि वह देश संभवतः पाकिस्तान ही है, क्योंकि यह बात छिपी नहीं है कि लश्कर-ए-तैयबा उसकी धरती पर ही फल-फूल रहा है। रपट में साफ कहा गया है कि पहलगाम आतंकी हमला लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना संभव नहीं था और टीआरएफ तथा लश्कर-ए-तैयबा के बीच गहरे संबंध हैं। इस सब के बीच सवाल यह भी है कि क्या किसी आतंकी संगठन को वैश्विक स्तर पर चिह्नित कर देने से आतंकवाद पर अंकुश लग जाएगा? जाहिर है, इसके लिए संयुक्त प्रयासों को धरातल पर उतरना होगा और आतंकियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। इसमें दोराय नहीं कि आतंकवाद अब वैश्विक संकट बन चुका है और इससे निपटने के लिए उसकी जड़ों पर प्रहार करना जरूरी है। यह तभी संभव होगा, जब आतंकियों के साथ-साथ उनके वित्तपोषकों और प्रायोजकों को भी न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।

भारत तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों एवं स्वच्छ उर्जा को अपना रहा है, जिसके चलते लिथियम-आयन बैटरियों की मांग में काफी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि इस बीच एक बड़ा मुद्दा उभरा है: बैटरी उत्पादन के लिए आयात की गई महत्वपूर्ण सामग्री पर देश की बढ़ती निर्भरता। विश्वस्तरीय आपूर्ति श्रृंखला को भू-राजनैतिक तनाव एवं कारोबार में उथल-पुथल के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में हमें अपने देश में ही बैटरी रीसायक्लिंग के लिए मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करना होगा। इस समाधान से न सिर्फ भारत की आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षित होगी बल्कि तेज़ी से विकसित होते विश्वस्तरीय उद्योग में आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी। कारोबार में तनाव एवं निर्यात पर नियन्त्रण के चलते दुनिया भर में बैटरी मटीरियल का मार्केट प्रभावित हुआ है। मौजूदा भू-राजनैतिक परिस्थितियां जैसे चीन का ईवी टैरिफ एवं निर्यात पर प्रतिबंधों के कारण विभिन्न देश अपनी आपूर्ति श्रृंखला का पुनःमूल्यांकन कर रहे हैं। वर्तमान में इस बाज़ार पर चीन का प्रभुत्व है, जो महत्वपूर्ण बैटरी सामग्री के 78 फीसदी हिस्से का नियन्त्रण करता है। चीन पर इतनी अधिक निर्भरता दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन, उर्जा संग्रहण प्रणाली एवं आधुनिक निर्माण पर गंभीर प्रभाव उत्पन्न कर सकती है।

रिसायक्लिंग-भारत को आपूर्ति श्रृंखला में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामरिक समाधान

(रजत वर्मा)

विश्वस्तरीय आपूर्ति श्रृंखला को भू-राजनैतिक तनाव एवं कारोबार में उथल-पुथल के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में हमें अपने देश में ही बैटरी रीसायक्लिंग के लिए मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करना होगा।

भारत तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों एवं स्वच्छ उर्जा को अपना रहा है, जिसके चलते लिथियम-आयन बैटरियों की मांग में काफी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि इस बीच एक बड़ा मुद्दा उभरा है: बैटरी उत्पादन के लिए आयात की गई महत्वपूर्ण सामग्री पर देश की बढ़ती निर्भरता। विश्वस्तरीय आपूर्ति श्रृंखला को भू-राजनैतिक तनाव एवं कारोबार में उथल-पुथल के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में हमें अपने देश में ही बैटरी रीसायक्लिंग के लिए मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करना होगा। इस समाधान से न सिर्फ भारत की आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षित होगी बल्कि तेज़ी से विकसित होते विश्वस्तरीय उद्योग में आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी।

विश्वस्तरीय आपूर्ति श्रृंखला की बाधाएं- कारोबार में तनाव एवं निर्यात पर नियन्त्रण के चलते दुनिया भर में बैटरी मटीरियल का मार्केट प्रभावित हुआ है। मौजूदा भू-राजनैतिक परिस्थितियां जैसे चीन का ईवी टैरिफ एवं निर्यात पर प्रतिबंधों के कारण विभिन्न देश अपनी आपूर्ति श्रृंखला का पुनःमूल्यांकन कर रहे हैं। वर्तमान में इस बाज़ार पर चीन का प्रभुत्व है, जो महत्वपूर्ण बैटरी सामग्री के 78 फीसदी हिस्से का नियन्त्रण करता है। चीन पर इतनी अधिक निर्भरता दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन, उर्जा संग्रहण प्रणाली एवं आधुनिक निर्माण पर गंभीर प्रभाव उत्पन्न कर सकती है।

इन जोखिमों को कम करने के लिए भारत जैसे देशों को स्थानीय समाधान विकसित करने होंगे ताकि कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता कम की जा सके। ऐसा करके भारत अपने बैटरी उद्योग को बाहरी झटकों एवं कीमतों के उतार-चढ़ाव से सुरक्षित रख सकता है। यह बेहद ज़रूरी है क्योंकि आने वाले समय में ईवी बैटरियों एवं नवीकरणीय उर्जा के विकास के कारण लिथियम, कोबाल्ट एवं निकल की मांग बढ़ने का अनुमान है।

भारत में स्थानीय रिसायक्लिंग की आवश्यकता- भारत ने स्वच्छ उर्जा भविष्य के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं, 2030 तक 100 मिलियन इलेक्ट्रिक वाहन बेचने की योजना है। इतने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के बावजूद देश को बैटरी निर्माण के लिए लिथियम, कोबाल्ट और निकल का आयात भारी मात्रा में करना पड़ता है। इसी के मद्देनज़र बैटरी अपशिष्ट प्रबन्धन नियमों में एक्सटेंडेड प्रोड्युसर रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर) को शामिल कर भारत ने स्थायित्व की दिशा में उल्लेखनीय कदम बढ़ाया है। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन में रीसायक्लिंग एवं सैकण्डरी सोर्सेज़ (द्वितियक स्त्रोतों) को शामिल करने से इस दृष्टिकोण को और अधिक गति मिली है। स्थानीय स्तर पर रीसायक्लिंग का पैमाना बढ़ाकर तथा इनोवेशन एवं आधुनिक मैनुफैक्चरिंग के द्वारा महत्वपूर्ण खनिजों की घरेलू मांग बढ़ाकर देश विकसित भारत के निर्माण की दिशा में तेज़ी से अग्रसर हो सकता है।

रीसायक्लिंग है सामरिक समाधान- अपने देश में ही रीसायक्लिंग सिस्टम बनाने से भारत को कई फायदे होंगे। स्थानीय स्तर पर बैटरी-ग्रेड मटीरियल उपलब्ध होने से भारत दुनिया भर के मार्केट में होने वाले उतार-चढ़ाव एवं कारोबार की बाधाओं से सुरक्षित रहेगा। इससे भारत के ईवी सेक्टर के विकास के लिए महत्वपूर्ण सामग्री की सुरक्षित एवं सतत आपूर्ति को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

स्थानीय स्तर पर रीसायक्लिंग के द्वारा आपूर्ति श्रृंखला को अनुकूलित करने से आयात पर निर्भरता कम होगी। इससे देश को आर्थिक मजबूती मिलेगी। उदाहरण के लिए महत्वपूर्ण खनिजों के लिए आयात पर निर्भरता कम करके, भारत अपने कारोबार घाटे को कम कर सकता है और मुद्रा स्थिरता को सशक्त बना सकता है। इसके अलावा रीसायक्लिंग सिस्टम को मजबूत बनाने से, अन्य संबंधित क्षेत्रां जैसे लॉजिस्टिक्स, मैनुफैक्चरिंग, अनुसंधान एवं विकास को भी गति मिलेगी।

इसके अलावा विश्वस्तरीय निवेशक भी निवेश के स्थायी एवं प्रत्यास्थ अवसरों की ओर आकर्षित होते हैं, ऐसे में रीसायक्लिंग उद्योग को मजबूत बनाने से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ेगा। भारत सर्कुलर इकोनोमी एवं स्थायित्व के विश्वस्तरीय रूझानों को अपनाकर हरित निवेश को आकर्षित कर सकता है।

घरेलू क्षमता का बढ़ाना- एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में लिथियम-आयन बैटरी रीसायक्लिंग का मार्केट 21 फीसदी सीएजीआर की दर से बढ़कर 2030 तक 24 बिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंच जाएगा। भारत स्थानीय रीसायक्लिंग को बढ़ावा देकर इसमें बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए नीति-निर्माताओं, इनोवेटर्स, शोध संस्थानों एवं उद्योग जगत के लीडरों को एक साथ मिलकर काम करना होगा।

निम्नलिखत को मुख्य कार्यों में शामिल किया जाए: विनियामक ढांचे को मजबूत बनाना: भारत सरकार को मौजूदा विनियमों जैसे बैटरी अपशिष्ट प्रबन्धन नियम, को मजबूत बनाना होगा। बड़े पैमाने पर अनौपचारिक रीसायक्लिंग सेक्टर को औपचारिक बनाने की आवश्यकता है। अधिक विनियमित प्रणाली न सिर्फ रिकवरी रेट में सुधार लाएगी बल्कि दीर्घकालिक निवेश को भी आकर्षित करेगी।

रीसायक्लिंग को प्रमुख उद्योग का दर्जा देना: रीसायक्लिंग को अन्य उद्योगों जैसे मैनुफैक्चरिंग, या उर्जा के समकक्ष माना जाना चाहिए। ऐसा करने से भारत अपने घरेलु सर्कुलर इकोनोमी को तेज़ी से औपचारिक, मानकीकृत बना सकेंगे और इसका पैमाना बढ़ा सकेगा।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ाना: इस सिस्टम का पैमाना बढ़ाने और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी एजेंसियों, निजी उद्यमों एवं शोध संस्थानों के बीच साझेदारी ज़रूरी है।

टेक्नोलॉजी के अडॉप्शन को बढ़ाना: आर एण्ड डी को समर्थन देना और इसे आर्थिक प्रोत्साहन देना ज़रूरी है। रीसायक्लिंग की आधुनिक तकनीकों में निवेश कर भारत मटीरियल रिकवरी रेट को बढ़ा सकता है और संचालन की लागत को कम कर सकता है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार- आधुनिक रीसायक्लिंग सुविधाओं में निवेश ज़रूरी है। क्षेत्रीय रीसायक्लिंग हब, लॉजिस्टिक्स संबंधी मुश्किलों को हल कर सकते हैं और सुनिश्चित कर सकते हैं कि खत्म होने वाले बैटरियों को ठीक तरह से प्रोसेस किया जाए, जिससे आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। इस तरह के प्रयास देश के अपने रीसायक्लिंग सिस्टम में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और भारत के स्थायी बैटरी प्रबन्धन में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित कर सकते हैं। (लेखक संस्थापक एवं सीईओ, लोहम है)। यह लेखक के निजी विचार हैं।

सिकुड़ रहीं नदियां व वेटलैंड, धरती की कोख भी प्यासी

(नवीन कुमार)

यमुना सिटी। देश-विदेश में प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया जा रहा है। गौतमबुद्ध नगर में भी संरक्षण के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत कुछ और है। यहां यमुना और हिंडन दो नदियां हैं। जो अवैध निर्माण के कारण सिकुड़ती जा रही है। विकास व शहरीकरण के नाम पर खेती लगभग खत्म हो चुकी है। अधाधुंध भूजल दोहन से जल स्तर तेजी से गिर रहा है। काफी जगह पानी पीने लायक नहीं रहा है। वेटलैंड भी अनदेखी के शिकार हो रहे हैं। चारों तरफ कंक्रीट की इमारतें खड़ी हो चुकी हैं। पौधरोपण किया जा रहा है, परंतु पौधों के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

वेटलैंड के चारों तरफ अवैध निर्माण, पानी दूषित- सूरजपुर वेटलैंड करीब 300 हेक्टेयर जमीन पर फैला हुआ है। हर वर्ष यहां पर बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी पहुंचते हैं। पर्यटक भी काफी जाते है, लेकिन अनदेखी के कारण वेटलैंड पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसके चारों तरफ अवैध निर्माण हो गया है। बड़ी-बड़ी बिल्डिंग व मकान बन गए हैं। जबकि एनटीजी ने 50 मीटर के दायरे में निर्माण पर रोक लगा रखी है। अब इन कॉलोनियों का गंदा पानी वेटलैंड में जा रहा है। गंदे पानी से हजारों पेड़ सूख गए। पिछले एक साल से दूषित पानी के लिए एसटीपी लगाने की कवायद चल रही है, लेकिन अब तक नहीं लग सका। वहीं धनौरी वेटलैंड का भी संरक्षण नहीं हो रहा है। पिछले एक साल से प्रस्ताव शासन स्तर पर अटका हुआ है।

अवैध फार्म हाउस व मकानों से सिकुड़ी नदियां- जिले में हिंडन और यमुना नदी सिकुड़ती जा रही है। आज से 30-40 वर्ष पहले जैसे स्वरूप नदियों का नहीं रहा है। यमुना के किनारे अवैध फार्म हाउस बन चुके हैं। वहीं हिंडन के किनारे अवैध कॉलोनी बस चुकी है।

नदी का बहाव तक मोड़ा- कई जगह नदी का बहाव तक मोड़ दिया गया है। यह सिलसिला अभी भी जारी है। नदियों को बचाने के लिए हर वर्ष जिला स्तर पर योजना बनती है। पेड़ लगाए जाते है, लेकिन अनदेखी से योजना असफल साबित हो रही है। कुछ साल पहले जल स्तर बढ़ने पर बड़ी संख्या में लोगों को बाहर निकाला गया। तब भी अवैध निर्माण को तोड़ने का दावा किया गया, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

गिर गया भूजल स्तर, पानी का संकट सिर पर- नोएडा, ग्रेटर नोएडा से लेकर दादरी, जेवर आदि जगह पर तेजी से भूजल स्तर गिर रहा है। हर वर्ष एक मीटर तक भूजल स्तर गिरा है। पर्यावरणविदों का कहना है कि अगर यहीं हाल रहा तो दिल्ली की तरह लाइन में लगकर पानी लेना होगा। चिंताजनक स्थिति होने के बाद भी जल संरक्षण के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। बिल्डर प्रोजेक्टों पर अवैध तरीके से भूजल दोहन हो रहा है। सभी इमारतों के रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बंद है। वाटर रिचार्ज पर काम नहीं किया जा रहा है। गंगाजल आने के बाद भी प्राधिकरण पूरे शहर में भूजल की आपूर्ति कर रहा है।

भूउपयोग बदलकर खड़ी की जा रहीं इमारतें पर्यावरणविद विक्रांत तोंगड़ का कहना है कि जिले में खेती लगभग खत्म हो चुकी है। खेती से जुड़ाव भी कम हो गया है। भूउपयोग बदलकर कंक्रीट की इमारत खड़ी की जा रही है। इस कारण लोग भी प्रकृति से अलग हो चुके है। पहले नीम के पेड़ के नीचे बैठकर लोग समय गुजारते थे, लेकिन अब एसी का कमरा चाहिए। उसके बिना बैठ नहीं सकते है। नदियों का जल स्तर भी कम हो गया है। ग्रॉस लैंड भी नहीं बची है। पौधरोपण में विदेशी पौधों का उपयोग किया जा रहा है, जो कारगर नहीं है।

मालेगांव से मंथन तक- सत्य की प्रतिष्ठा, साजिश की पराजय

2008 में मालेगांव विस्फोट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को सत्ता की सियासत ने न्याय के विमर्श से हटा कर केवल एक राजनीतिक प्रयोगशाला बना डाला। जो भगवा युगों से त्याग, तपस्या और तेजस्विता का प्रतीक है, उसे आतंक का पर्याय ठहराने की कपटी कोशिश की गई। 'भगवा आतंकवाद' ये वो शब्द था, जिसे चुनावी लाभ के लिए कांग्रेस ने गढ़ा, मीडिया ने गाया और सियासत ने देश की आत्मा पर थोप दिया। इस जुमले में न केवल भाषा की मर्यादा टूटी, अपितु राष्ट्र की आत्मा भी आहत हुई। कांग्रेस की यह कुनीति कोई चूक नहीं थी, यह एक सुविचारित साजिश थी, भारत की मूल चेतना को कलंकित करने का षड्यंत्र था।

(प्रणय विक्रम सिंह)

मालेगांव विस्फोट कांड में मुंबई की विशेष एनआईए अदालत द्वारा सभी सातों आरोपियों को बरी किया जाना 'सत्यमेव जयते' का सिंहनाद है। यह निर्णय वह ऐतिहासिक क्षण है, जब सत्य, अन्याय के शोरगुल के पार खड़ा होकर घोषणा कर रहा है कि मैं पराजित नहीं, केवल प्रतीक्षित था। यह निर्णय केवल अभियुक्तों की दोषमुक्ति नहीं, बल्कि एक षड्यंत्र के शमन और सनातन पर हुए संदेह के संहार का उद्घोष है।

यह उस सत्य की पुनर्प्रतिष्ठा है, जिसे कांग्रेस की कुटिल सत्ता ने साजिश, संदेह और सुनियोजित अपकीर्ति के अंधकार में कैद रखने का षड्यंत्र रचा था।

यह कांग्रेस के उस चरित्र का पर्दाफ़ाश है, जो सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए न्याय को कुचलने, राष्ट्र को कलंकित करने और साधु-सैनिकों की संपूर्ण साधना को अपमानित करने से भी नहीं हिचकिचाया। यह एक दुःसाहसी दुष्चक्र के ध्वंस का आरंभ है।

भगवा पर षड्यंत्र का भार- 2008 में मालेगांव विस्फोट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को सत्ता की सियासत ने न्याय के विमर्श से हटा कर केवल एक राजनीतिक प्रयोगशाला बना डाला। जो भगवा युगों से त्याग, तपस्या और तेजस्विता का प्रतीक है, उसे आतंक का पर्याय ठहराने की कपटी कोशिश की गई।

'भगवा आतंकवाद' ये वो शब्द था, जिसे चुनावी लाभ के लिए कांग्रेस ने गढ़ा, मीडिया ने गाया और सियासत ने देश की आत्मा पर थोप दिया। इस जुमले में न केवल भाषा की मर्यादा टूटी, अपितु राष्ट्र की आत्मा भी आहत हुई।

कांग्रेस की यह कुनीति कोई चूक नहीं थी, यह एक सुविचारित साजिश थी, भारत की मूल चेतना को कलंकित करने का षड्यंत्र था। एक सोची-समझी रणनीति थी, जिसकी जड़ें देश के सांस्कृतिक मर्म को काटने के लिए बोई गई थीं।

राहुल गांधी ने अमेरिका के राजदूत से कहा था कि हिंदू आतंक लश्कर से भी बड़ा खतरा है क्या आज राहुल गांधी और कांग्रेस राष्ट्र से क्षमा मांगेंगे?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ललकार- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस निर्णय को न केवल न्याय का उद्घोष कहा, बल्कि भारतविरोधी नैरेटिव के विध्वंस के रूप में देखा।मालेगांव विस्फोट प्रकरण में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना 'सत्यमेव जयते' की सजीव उद्घोषणा है। यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को पुनः उजागर करता है, जिसने 'भगवा आतंकवाद' जैसा मिथ्या शब्द गढ़कर करोड़ों सनातन आस्थावानों, साधु-संतों और राष्ट्रसेवकों की छवि को कलंकित करने का अपराध किया है। कांग्रेस को अपने अक्षम्य कुकृत्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हुए देश से माफी मांगनी चाहिए।

यह केवल मुख्यमंत्री का वक्तव्य नहीं, देश की संवेदनशील आत्मा की स्वरबद्ध उद्घोषणा है, जो कह रही है अब और नहीं।

निर्दोषों की पीड़ा- साध्वी से सैनिक तक- साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी समेत सभी अभियुक्त, ये वे नाम हैं, जिन्होंने वर्षों तक जेल की सलाखों के पीछे सत्ता की सनक की कीमत चुकाई।

कठोर यातनाओं के चलते साध्वी प्रज्ञा का स्वास्थ्य चिरकालिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ। साध्वी प्रज्ञा आज भी जब बोलती हैं, उनकी आवाज में वह पीड़ा झलकती है जो एक राजनीतिक प्रहार और कूटनीतिक कारावास की परिणति है। एक महिला संन्यासिनी को हिंदू होने की सजा दी गई, उन्हें अदालतों में घसीटा गया, परिजन तोड़े गए, मनोबल मारा गया।

लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित जो भारतीय सेना में आतंक-निरोधी अभियानों में सहभागी थे, देश के प्रति समर्पित फौजी थे, उन्हें बिना किसी ठोस साक्ष्य के 9 वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया।

इन सबकी पीड़ा, उनके मौन, उनकी कराह और समाज की चुप्पी, यह भारत के लोकतंत्र पर अनुत्तरित प्रश्नचिह्न की भांति अटक गई थी।

आज निर्दोष साबित होने पर क्या कांग्रेस उनके खोए हुए सम्मान, जीवन के लुटे हुए वर्ष, और अपमानित अस्तित्व का प्रायश्चित कर सकती है? क्या कांग्रेस भारत की सभ्यता से यह कहेगी कि 'हां, हमने तुम्हें बदनाम किया, क्योंकि तुम्हारा भगवा हमें असहज करता था'?

इस ऐतिहासिक निर्णय में जब विशेष अदालत ने स्पष्ट कहा कि 'इन अभियुक्तों के विरुद्ध कोई विश्वसनीय प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सका' तो यह केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि कांग्रेस की वैचारिक विफलता का अभिलेख है।

निर्णय का समाज-राजनीति पर प्रभाव- यह निर्णय वामपंथी मानस को झकझोरेगा और कांग्रेस जैसे दलों को यह सोचने पर विवश करेगा कि वोटबैंक की राजनीति के लिए देश की संस्कृति को बलि नहीं चढ़ाया जा सकता।

अब कांग्रेस को जवाब देना होगा कि उसने राजनीति के लिए राष्ट्रीय अस्मिता को क्यों नीलाम किया? वह क्यों चुप रही जब निर्दोषों की यातनाएं चीख रहीं थीं? वह क्यों धर्म के नाम पर न्याय को विभाजित कर रही थी? यह निर्णय 2024 के बाद कांग्रेस के वैचारिक ढांचे को और भी जर्जर करेगा।

यह फैसला मीडिया की उस प्रवृत्ति को भी कठघरे में खड़ा करता है जो 'इल्ज़ाम को ही इल्म समझती है।' खुद ही अदालत बन जाती है। टीआरपी की दौड़ में बिना जांच-पड़ताल किए किसी भी व्यक्ति के सम्मान और चरित्र का चरित्र कलंकित कर देती है।

अब आम नागरिक भी पूछेगा कि क्या खबरों की हेडलाइनों के नीचे छुपा सच कभी मीडिया के गिरेबान में झांकेगा !वर्षों तक केस खिंचने के बाद यह फैसला एक बात स्पष्ट करता है कि सत्य को जितना भी दबाया जाए, वह अंततः उग आता है। यह भारतीय न्याय व्यवस्था की उस संवेदनशील दृढ़ता का प्रमाण है, जो राजनीति की छाया से परे है।अब 'सत्यमेव जयते' केवल शिलालेख नहीं, संघर्ष और संकल्प का सजीव संदेश है। यह उन सबके लिए चेतावनी है, जो सत्ता की साजिश में सत्य को दफन करना चाहते हैं, जो सनातन के प्रतीकों को अपराध की भाषा में ढालना चाहते हैं, जो राष्ट्र की संस्कृति को वोटबैंक की बलि चढ़ा देना चाहते हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा द्वारा बेमेतरा एवं कवर्धा जिला न्यायालय का निरीक्षण, न्यायिक व्यवस्थाओं के सुधार पर दिया विशेष जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते दिवस छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा द्वारा जिला न्यायालय कबीरधाम (कवर्धा) एवं बेमेतरा का निरीक्षण किया गया। उनके साथ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल मनीष कुमार ठाकुर, संयुक्त रजिस्ट्रार सह पीपीएस एम.वी.एल.एन. सुब्रहमण्यम, प्रोटोकॉल अधिकारी आर.एस. नेगी तथा दोनों जिलों के न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने बेमेतरा जिला न्यायालय परिसर की व्यवस्थाओं का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को न्यायालय भवन की नियमित साफ-सफाई, समुचित रखरखाव और सौंदर्यीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर न्यायालय परिसर में उपस्थित अधिवक्ताओं द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया, साथ ही अधिवक्ताओं से चर्चा कर उनकी समस्याओं और सुझावों को भी गंभीरता से सुना गया। निरीक्षण के क्रम में मुख्य न्यायाधीश ने पूर्व निरीक्षण के समय चिन्हित की गई समस्याओं के समाधान की प्रगति की

समीक्षा की। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अनेक कमियों को दूर करने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए गए हैं। साथ ही उन्होंने निर्माणाधीन नए न्यायालय भवन का भी निरीक्षण किया और लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। मुख्य न्यायाधीश सिन्हा प्रदेश के समस्त जिला न्यायालयों का निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि राज्य की न्यायिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाया जा सके। उनके नेतृत्व में निरंतर हो रहे इन प्रयासों का सकारात्मक असर जिला न्यायालयों की कार्यप्रणाली में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। यह निरीक्षण न केवल न्यायिक व्यवस्था के सतत सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि न्यायपालिका की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है कि न्यायिक सेवा नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचे।

पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने निकली भेड़नी नर्मदा कुंड से कावड़ यात्रा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने पावन सावन माह के अंतिम सोमवार के अवसर पर विगत वर्षों की भर्ती इस वर्ष भी ग्राम भेड़नी के नर्मदा कुंड से देवरबीजा के प्राचीन शिव मंदिर तक कावड़ यात्रा में शामिल होकर भगवान शंकर को जलाभिषेक किया तथा पूजा अर्चन कर क्षेत्र वासियों के खुशहाली के लिए प्रार्थना की ज्ञात हो कि इस कावड़ यात्रा का आठवां वर्ष था विगत वर्षों से जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सावन माह में कांवड़ यात्रा का आयोजन करते आ रहे हैं जिसमें लगातार भाग लेने वाले लोगों की संख्या बढ़ती ही जा रही है धार्मिक आस्था से शराबोर इस यात्रा में बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग तथा विशेष रूप से महिलाओं ने बड़ी संख्या में भागीदारी निभाई पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि यह पर्व भगवान शंकर की आराधना का पर्व है और हम सभी यही प्रार्थना करते हैं कि हमारा बेमेतरा अंचल फले फूले और खुशहाल रहे इसकी कामना करते हुए हम सभी यह कावड़ यात्रा निकालते हैं और बहुत ही सुखद अनुभव होता है भगवान भोलेनाथ के दर्शन करके जलाभिषेक करके एक आत्मिक संतुष्टि प्राप्त होती है साथ ही साथ इतने सारे लोग जब एक साथ बोल बम का नारा लगाते हुए आगे बढ़ते हैं तो मन में उत्साह और उमंग भी जग जाता है और यह यात्रा बहुत ही आत्मिक तथा सुखद लगती है।

सांसद महेश कश्यप ने रामपाल शिवालय में किया दर्शन, जीर्णोद्धार कार्यों का लिया जायजा, श्रद्धालुओं से भी की मुलाकात

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर सांसद महेश कश्यप बीते सोमवार को अपने परिवार सहित जगदलपुर से 15 किमी दूर स्थित रामपाल शिवालय पहुंचे और रामायणकालीन प्राचीन शिवलिंग के दर्शन कर क्षेत्रवासियों की सुख-शांति, समृद्धि व मंगल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर सांसद कश्यप ने मंदिर परिसर में चल रहे जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया और निर्माण की गुणवत्ता व प्रगति की जानकारी ली। साथ ही श्रद्धालुओं से सौहार्द्रपूर्ण भेंट कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने मंदिर समिति के पदाधिकारियों से संवाद करते हुए धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर चर्चा की।सांसद ने कहा

कि वनवास काल में भगवान श्रीराम द्वारा स्थापित इस शिवलिंग का इतिहास दंडकारण्य काल से जुड़ा है। समय-समय पर बस्तर के राजवंशों ने इस मंदिर का संरक्षण किया है। ब्रिटिश शासनकाल में भी कई अंग्रेज अधिकारियों ने यहां दर्शन किए थे। एक अंग्रेज अधिकारी द्वारा मंदिर को भेंट की गई ऐतिहासिक घंटी आज भी मंदिर परिसर में सुरक्षित है।श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा यह स्थल अब भी क्षेत्रीय पहचान का प्रतीक बना हुआ है, जहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

राममंदिर तालाब के निरिक्षण मे पहुंचे कांग्रेसी,कार्य शुरुआत नहीं होना प्रशासन की लापरवाही का परिणाम - देवचंद मतलाम

कोंडागांव शहर की बंद स्ट्रीट लाईट को जल्द जलाये प्रशासन अन्यथा कांग्रेस पार्टी घेरेगी मसोरा टोल नाका

कोंडागांव /मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी की टीम राममंदिर तालाब के निरिक्षण मे पहुंची जो की पिछले दिनों ढह गया था जिसके चलते प्रशासन द्वारा नेशनल हाइवे 30 को तालाब के दोनों तरफ बंद कर दिया गया है और शहर के अंदर से गुजरने वाली एन एच 30 सड़क को वन वे कर दिया गया है।निरिक्षण मे पहुंचे कांग्रेसियों ने कहा डेढ़ महीने होने जा रहा है लगातार दुर्घटनायें बढ़ रही है और शासन प्रशासन काम के नाम पर सिर्फ दिखावा कर रही है।पिछले दिनों स्थानीय विधायक सुश्री लता उसेंडी के प्रयासों से 76 लाख रुपए स्वीकृति की खबर सभी अख़बारों मे प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था परन्तु आज ज़ब हम निरिक्षण मे पहुंचे हैं तो यहां सिर्फ बोरियों मे भरा रेत ही नजर आ रहा है, डेढ़ महीने होने जा रहा

फिर भी शासन प्रशासन द्वारा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है अगर गंभीरता से लेते तो शायद आज कार्य शुरुआत हो चुका होता। बेरीकेटिंग के वजह से दुर्घटना मे लोगों की जान जा रही है फिर भी प्रसासन को कोई फर्क नहीं पड़ा। कोंडागांव जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष देवचंद मतलाम ने कहा नगर पालिका राज्य और केंद्र तीनों जगह भाजपा की सरकार है ट्रिपल इंजन की सरकार मे भी गति इतनी धीमी को तो फिर ट्रिपल इंजन का क्या मतलब,तालाब के ढहने से बेरिकेटिंग के अंदर संचालित दुकानदारों को इस त्यौहारी सीजन मे काफ़ी नुकसान हो रहा है इसके लिए कहीं न कहीं प्रशासन की लापरवाही है शासन प्रशासन को इस ओर भी ध्यान देने की आवश्यकता है सख्ती से कदम उठने की जरूरत है ताकि जल्द से जल्द तालाब के वाल का काम हो सके नेशनल हाइवे पुनः पूर्व की भांति संचालित हो। मतलाम ने आगे कहा की कोंडागांव वासी टोल टैक्स पटाने मे कोताही नहीं बरतते तो नेशनल हाइवे को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन सही ढंग से करने की जरूरत है। कोंडागांव शहर की स्ट्रीट लाईट कई महीनों से बंद है शहर की सड़क मे अंधेरा छाए रहता है जो की सरासर गलत है साथ ही सड़क कई जगह अप डाउन है यह सड़क किसी गली मोहल्ले की सड़क नहीं है राष्ट्रीय राजमार्ग है अगर यहाँ की सड़कें ऐसी हैं तो हम अच्छे सड़क की उम्मीद कहा करें, शहर के साथ साथ क्षेत्र मे खासकर एन एच 30 मे कोंडागांव से 30-30 किलोमीटर दोनों तरफ हर दिन कई सड़क घटनाएं घटित हो रही है जिसमे कई परिवार अपने अपनों को खो रहें हैं इन सभी दुर्घटनाओं मे 50 प्रतिशत दुर्घटना तो केवल इस अप डाउन सड़क के कारण हो रही है, स्थानीय प्रशासन के साथ साथ हम नेशनल हाइवे 30 के जिम्मेदारों को मीडिया के माध्यम से चेतावनी देना चाहते हैं अगर एक सप्ताह के भीतर शहर की स्ट्रीट लाईट जलना शुरू नहीं होता है तो कांग्रेस पार्टी मसोरा स्थित टोल नाके का घेराव करेगी और ज़ब तक स्ट्रीट लाईट नहीं जलती अप डाउन सड़कें नहीं सुधारी जाती तब तक कोंडागांव वासी टोल नहीं देंगे ऐसा मुहीम छेडेगी। कांग्रेस पार्टी मांग करती हैं प्रशासन इस ओर तत्काल ध्यान दें और जनहितों को ध्यान मे रखते हुए कार्य करें। जिला कांग्रेस कमेटी की निरिक्षण टीम मे पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मतलाम, महामंत्री रितेश पटेल,जिला उपाध्यक्ष द्वय तरुण गोलछा, श्रीमती वर्षा यादव, कार्यकारी शहर अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन, महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष सह पार्षद श्रीमती हेमा देवांगन,सकुर खान, उमर मेमन,तबस्सुम बानो, सन्नी चोपड़ा, प्रीति भदौरिया,लेखनी प्रधान,अंजू जोशी,शहनवाज खान, बुधराम मरकाम के साथ कांग्रेस जन मौजूद रहे।

'मासूम की मौत पर न्याय की मांग, गनियारी में लापरवाही बनी मौत का कारण'

रायपुर/मूक पत्रिका

मैं न किसी जाति का विरोधी हूँ और न ही किसी धर्म का समर्थक। मैं केवल सत्य और असत्य के बीच खड़ा होकर सदैव सच और मजलूम के साथ रहता हूँ। अहिवारा विधानसभा अंतर्गत ग्राम गनियारी में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। ग्राम के निवासी योगेश वर्मा ने अपने भुट्टे के खेत में जानवरों से फसल को बचाने के लिए बिजली के तार बिछा दिए थे, जिनमें जानलेवा करंट प्रवाहित हो रहा था। दुर्भाग्यवश, इसी करंट की चपेट में आकर 12 वर्षीय मासूम बालक कामेश डहरिया की कुछ दिन पूर्व मृत्यु हो गई। इस गंभीर लापरवाही के बावजूद, पुलिस ने केवल धारा 106 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामूली कार्यवाही की है, जबकि यह एक साधारण दुर्घटना नहीं, बल्कि जानते-बूझते किया गया एक खतरनाक कृत्य है। खेत में न तो कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था, न ही आसपास के लोगों को सचेत किया गया था। हम मांग करते हैं कि योगेश वर्मा पर धारा 110 (जानबूझकर या लापरवाहीपूर्वक की गई ऐसी हरकत जिससे किसी की जान जा सकती है) के अंतर्गत कठोर कार्यवाही हो। यदि शीघ्र ही उचित कार्यवाही नहीं की गई, तो आगामी दिनों में भिलाई-3 थाना का घेराव किया जाएगा। इस आंदोलन की पूर्ण जवाबदारी पुलिस प्रशासन की होगी।

नई खनिज नीति से त्रिस्तरीय पंचायती राज की अर्थव्यवस्था होगी मजबूत :रत्नावली कौशल

■ अधिग्रहण प्रभावित किसानों को पूरी तरह से मिलेगा न्याय

रायपुर/मूक पत्रिका

भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनके मंत्रिमंडल को समाज के हर वर्ग के उत्थान के कार्य कर रही है।खिलाड़ियों, युवाओं, महिलाओं,किसानों,मजदूरों सभी के हित में हमारी सरकार शानदार काम कर रही है। दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत की कल्पना को साकार करते हुए हमारा विकासशील छत्तीसगढ़ निरंतर आगे बढ़ रहा है। भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने यह बातें विष्णु देव साय मंत्रिमंडल द्वारा हालिया लिए गए फैसलों को आधार बनाकर कही हैं। सुश्री कौशल ने कहा है कि नई खनिज नीति से त्रिस्तरीय पंचायती राज की अर्थव्यवस्था को जहां मजबूती मिलेगी, वहीं गांव कस्बों की आधारभूत जरूरतें भी पूरी होंगी। रत्नावली कौशल ने कहा है कि केंद्र सरकार के खान मंत्रालय के नए दिशा निर्देशों और प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना की संशोधित गाइड लाइंस के अनुसार साय केबिनेट ने खनिज संस्थान न्यास नियम 2015 में संशोधन का निर्णय लेकर ऐतिहासिक कदम उठाया है। इसके तहत अब इस मद की न्यूनतम 70 प्रतिशत राशि पेयजल,शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, महिला एवं बाल कल्याण, निशक्त जन एवं वृद्ध कल्याण, कौशल विकास, रोजगार, आवास, पशु पालन, स्वच्छता आदि पर खर्च की जाएगी। सुश्री कौशल ने कहा कि रेत खदानों की ई नीलामी से रेत के काले धंधे पर रोक लगेगी, लोगों को बहुत कम कीमत पर रेत मिलेगी। इससे निजी और सरकारी क्षेत्र के निर्माण कार्यों की लागत में काफी कमी आएगी। भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने कहा है कि साय सरकार के इस फैसले का असर अभी से नजर आने लगा है। बस्तर संभाग के सुकमा जिले में लगभग 45 लाख रुपए मूल्य की अवैध रेत पकड़ा जाना बताता है कि साय सरकार का यह फैसला भविष्य में और कितना असरकारी होगा। कृषि भूमि के बाजार मूल्य निर्धारण के फैसले को ऐतिहासिक और किसान हितैषी बताते हुए रत्नावली कौशल ने कहा है कि अब अधिग्रहण प्रभावित किसानों को पूरी तरह न्याय मिल सकेगा, उन्हें उनकी जमीन का वाजिब मुआवजा मिलेगा, भूमि विवाद से जुड़े अदालती मामलों में कमी आएगी। मुआवजा प्रकरणों में 500 मीटर रकबे की गणना को खत्म कर पूरी भूमि की गणना कर उसी आधार पर मुआवजा राशि संबंधित किसान को दी जाएगी।

डॉ. क्रांति खूंटे ने दी संस्कृत दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

अगस्त माह से संस्कृत दिवस प्रारम्भ होता है,इस अवसर अन्तर्राष्ट्रीय महिला पुरुस्कार से सम्मानित डा.क्रांति खूंटे कसडोल ने देशवासियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए हमारे प्रतिनिधि को एक विशेष भेट में बताया है कि विश्व-संस्कृत-दिवस (संस्कृत : विश्वसंस्कृतदिवस , रोमनकृत : विश्वसंस्कृतादिवस) के नाम से भी जाना जाता है , प्राचीन समय में भारतीय भाषा संस्कृत पर केंद्रित एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसमें भाषा पर व्याख्यान शामिल होते हैं और इसका उद्देश्य इसके पुनरुद्धार और रखरखाव को बढ़ावा देना है। यह श्रावण पूर्णिमा को मनाया जाता है, जो हिंदू कैलेंडर के अनुसार श्रावण माह की पूर्णिमा है । यह आमतौर पर ग्रेगोरियन कैलेंडर के अगस्त महीने से मेल खाता है। संस्कृत संगठन संस्कृत भारती इस दिन के प्रचार में शामिल है। श्रावण पूर्णिमा अर्थात रक्षाबंधन ऋषियों के स्मरण व पूजन तथा उनके समर्पण की आराधना का पर्व माना जाता है। वैदिक साहित्य में इसे श्रावणी कहा गया। इस दिन गुरुकुलों में वेदों के अध्ययन से पूर्व यज्ञोपवीत - पवित्र धागा - धारण किया जाता है। इस संस्कार को उपनयन या उपाकर्म संस्कार कहते हैं। इसी दिन पुराना यज्ञोपवीत भी बदला जाता है। पुरोहित यजमानों को रक्षा-सूत्र भी बाँधते हैं। ऋषियों को संस्कृत साहित्य का मूल स्रोत माना जाता है, इसलिए श्रावणी पूर्णिमा को ऋषि पर्व और विश्व संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ .क्रांति खूंटे ने आगे बताया है कि इस दिन को इसलिए चुना गया है क्योंकि प्राचीन भारत में शैक्षणिक वर्ष इसी दिन से प्रारंभ होता था। इसी दिन गुरुकुलों में विद्यार्थी वेदों का अध्ययन प्रारंभ करते थे । पौष मास की पूर्णिमा से श्रावण मास की पूर्णिमा तक अन्य वेदान्तिक शास्त्रों को सीखने के लिए अध्ययन रोक दिया जाता है। आधुनिक वैदिक विद्यालयों में यह परंपरा आज भी अक्षुण्ण है। वैसे तो विश्व वैदिक दिवस 11 जुलाई को है।

1969 में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने केंद्र और राज्य स्तर पर संस्कृत दिवस मनाने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं तब से, पूरे भारत में संस्कृत दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर संस्कृत कवि सम्मेलन , लेखक संगोष्ठी, छात्रों के भाषण और पद्य पाठ प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाता है, जिसके माध्यम से संस्कृत के छात्रों, कवियों और लेखकों को उचित मंच मिलता है।हम सभी देशवासियों को मिलकर शपथ लेना चाहिए कि भारत की प्राचीन भाषा संस्कृत को हमे गर्व के साथ अपनाना चाहिए जिससे हमारे आने वाले समय के बच्चों को हमारी पुरानी संस्कृति याद रहे ।

भगवान मधेश्वर की पावन धरा के विकास हेतु मिलेंगे 10 करोड़ रुपये, तीर्थ पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दिव्य शिव महापुराण कथा के समापन समारोह में वर्चुअली हुए शामिल

श्रीरामलला दर्शन योजना और तीर्थदर्शन योजना से श्रद्धालुओं को मिल रहा आध्यात्मिक लाभ

रायपुर/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पवित्र श्रावण मास के चौथे सोमवार के शुभ अवसर पर रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड अंतर्गत मयाली में विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर पहाड़ के समीप आयोजित दिव्य शिव महापुराण कथा के समापन समारोह को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया।श्रावण मास की इस सात दिवसीय दिव्य कथा श्रृंखला का आयोजन 28 जुलाई से 4 अगस्त 2025 तक महामधेश्वर धाम समिति द्वारा किया गया, जिसमें अयोध्या के प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने शिव महापुराण की अमृतमयी वाणी से हजारों श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। मुख्यमंत्री ने

व्यासपीठ से जुड़े सभी संतजनों को प्रणाम करते हुए समिति को भव्य आयोजन के लिए बधाई एवं आभार प्रकट किया।मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिव और शक्ति छत्तीसगढ़ के कण-कण में समाए हैं और प्रदेश को आध्यात्मिक ऊर्जा इन्हीं देवस्थलों से प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि मधेश्वर महादेव धाम के विकास के लिए केंद्र सरकार से ?10 करोड़ की राशि प्राप्त हुई है, तथा राज्य सरकार तीव्र गति से अधोसंरचना विकास और श्रद्धालु सुविधाओं के लिए कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विराजित भगवान शिव के प्रमुख स्थलों का उल्लेख करते हुए कहा कि मयाली में मधेश्वर पहाड़, कवर्धा में बाबा भोरमदेव, राजिम में कुलेश्वर महादेव, गरियाबंद में भूतेश्वर महादेव और जांजगीर-चांपा के खरौद में लक्ष्मणेश्वर महादेव के रूप में भगवान शिव विभिन्न रूपों में श्रद्धालुओं को दर्शन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्पूर्ण प्रदेश शिवमय है।श्री साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पाँच प्रमुख शक्तिपीठों के विकास के लिए शक्ति कॉरिडोर योजना प्रारंभ की गई है। इसमें डोंगरगढ़ की बमलेश्वरी देवी, रतनपुर की महामाया देवी, चंद्रपुर की चंद्रहासिनी माता, दंतेवाड़ा की दंतेश्वरी देवी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तीर्थ पर्यटन को नई दिशा दी जा रही है।मुख्यमंत्री ने श्री रामलला दर्शन योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम के प्रति श्रद्धा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनी है।इसी क्रम में पुनः प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत राज्य के वृद्ध श्रद्धालुओं को देश के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें जीवन में आध्यात्मिक संतोष और आस्था का अनुभव हो रहा है।

समापन अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए प्रार्थना की कि बाबा भोलेनाथ की कृपा सदैव सभी श्रद्धालुओं पर बनी रहे। उन्होंने महामधेश्वर धाम समिति को आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि प्रदेश सरकार श्रद्धा, संस्कृति और विकास के समन्वय से छत्तीसगढ़ को नया धार्मिक एवं पर्यटन गंतव्य बनाएगी।

जिले में अब तक 329 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 04 अगस्त 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 329 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील थानखम्हरिया में 474.3 मि.मी. तथा न्यूनतम 246.5 मि.मी. वर्षा भिंभौरी तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 261.1 मि.मी. वर्षा, नांदघाट तहसील में 348 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 315.4 मि.मी., देवकर तहसील में 306 मि.मी, वर्षा दाढ़ी तहसील मे 395.1 मि.मी., वर्षा नवागढ़ तहसील में 255 मि.मी. एवं साजा तहसील में 359.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

लाईवलीहुड कॉलेज बेमेतरा में प्रशिक्षण संचालन हेतु चैनल पार्टनर चयन के लिए आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज बेमेतरा द्वारा जिले में विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण संचालन के लिए योग्य एवं इच्छुक संस्थाओं से चैनल पार्टनर चयन हेतु रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित किया गया है। इस प्रक्रिया के तहत कुल 12 प्रमुख सेक्टरों ङ्क कृषि, ऑटोमोटिव, रिटेल, पर्यटन एवं आतिथ्य, निर्माण, प्लंबिंग, आईटी-आईटीईएस, मीडिया, सुरक्षा, ग्रीन जॉब्स, स्वास्थ्य देखभाल तथा प्रबंधन, उद्यमिता एवं प्रोफेशनल ङ्क में प्रशिक्षण संचालन के लिए आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक निर्धारित प्रपत्रों में अपना प्रस्ताव 19 अगस्त 2025 को दोपहर 12:00 बजे तक कार्यालय में जमा कर सकती हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी एवं शर्तें जिला बेमेतरा की आधिकारिक

थानखम्हरिया में लिंक कोर्ट के संचालन में आंशिक संशोधन, अब प्रत्येक गुरुवार और शुक्रवार को होगा आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जनसुविधा एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तहसील थानखम्हरिया में संचालित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), साजा की लिंक कोर्ट के संचालन दिवसों में आंशिक संशोधन किया गया है। पूर्व में यह लिंक कोर्ट सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार को आयोजित की जाती थी। संशोधित व्यवस्था के अनुसार अब यह लिंक कोर्ट माह के प्रत्येक गुरुवार एवं शुक्रवार को आयोजित की जाएगी। यह परिवर्तन नागरिकों की सुविधा, न्याय प्रक्रिया की सहजता तथा प्रशासनिक कार्यों के बेहतर संचालन को दृष्टिगत रखते हुए किया गया है। उल्लेखनीय है कि लिंक कोर्ट के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्र के नागरिकों को न्यायिक एवं राजस्व संबंधी सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो जाती हैं, जिससे उन्हें मुख्यालय तक बार-बार न जाकर अपने कार्य समयबद्ध रूप से निपटाने की सुविधा मिलती है।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने भारत में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विजन एआई टीवी पर 'बिग सेलीब्रेशन, बिगर स्क्रीन' ब्लॉकबस्टर डील्सी की घोषणा की

गुरुग्राम। भारत के अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने स्वतंत्रता दिवस के जश्न पर 'बिग सेलीब्रेशन, बिगर स्क्रीन' कैंपेन की घोषणा की है। यह कैम्पेमन 1 से 31 अगस्त, 2025 तक चलेगा और देशभर के रिटेल स्टोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध रहेगा। इस दौरान ग्राहक सैमसंग के विज़न एआई से लैस बिग टीवी पर आकर्षक ऑफ़र्स के साथ अपने होम एंटरटेनमेंट का स्तर अपग्रेड कर सकेंगे। सैमसंग का यह एडवांस विज़न एआई टीवी पिक्चर, साउंड और कंटेंट को यूज़र की पसंद के अनुसार खुद-ब-खुद ऑप्टिमाइज़ कर एक रिफ्राइंड और इमर्सिव होम एन्ट रटेनमेंट एक्सपीरियंस देता है। पिछले कुछ वर्षों में सैमसंग ने त्योहारी खरीदारी को ग्राहकों के लिए अधिक लाभकारी बनाने में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने इस बार अपने 55 इंच और उससे बड़े नियो क्त्रस्श्वष्ठ, ह्रस्श्वष्ठ, क्त्रस्श्वष्ठ और क्रिस्टल 4च्य ।ष्ठ टीवी मॉडल्स पर जबरदस्त ऑफ़र पेश किए हैं। इनमें 93,000 रूपए तक का साउंडबार या 2,05,000 रूपए तक का टीवी एकदम मुफ्त मिल सकता है। यह पहल न केवल अत्याधुनिक तकनीक और बेहतरीन व्यूइंग का वादा करती है, बल्कि ग्राहकों को बेहतर वैल्यू देने की सैमसंग की प्रतिबद्धता भी दर्शाती है। सैमसंग इंडिया के सीनियर डायरेक्टर और हेड - विज़ुअल डिस्प्ले बिजनेस, विप्लेश डांग ने कहा, स्वतंत्रता दिवस ऐसा अवसर है, जब परिवार एक साथ भारत की विविधता और खूबसूरती का उत्सव मनाते हैं। 'बिग सेलीब्रेशन, बिगर स्क्रीन' कैंपेन के जरिए हम चाहते हैं कि परिवार सैमसंग के एआई-पावर्ड बिग टीवी का आनंद लें, जो शानदार पिक्चर क्वालिटी, सिनेमैटिक साउंड और स्मार्ट विज़न एआई फीचर्स से भरपूर हैं। हमारा उद्देश्य है कि एआई व्यूइंग जैसी प्रीमियम तकनीक देश के हर कोने तक पहुंचे। अपग्रेड को और भी आसान और किफायती बनाने के लिए सैमसंग ने आकर्षक फाइनेंस स्कीम्स की पेशकश की है। ग्राहक चुनिंदा 55-इंच और उससे बड़े टीवी पर 2,990 रूपए की आसान ईएमआई और 30 महीने तक की लंबी अवधि की योजना का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही चुनिंदा बैंकों के ज़रिए 20त्न तक कैशबैक और सैमसंग ऐक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर अतिरिक्त 10त्न एक्सक्लूसिव कैशबैक भी मिल रहा है। ग्राहक देशभर के सैमसंग रिटेल आउटलेट्स या Samsung.com पर इन सभी ऑफ़र्स की जानकारी ले सकते हैं। फिर चाहे आप स्वतंत्रता दिवस की परेड देख रहे हों, कोई ब्लॉकबस्टर फिल्म, या परिवार के साथ यादगार पल बिता रहे हों ङ्क इस बार जश्न मनाने के हैं और भी बड़े कारण, और साथ में एक बड़ी स्क्रीन का तोहफ़ा।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड (एसजीएलटीएल) ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन दर्ज किया है, जो मजबूत रेवन्यू ग्रोथ और बेहतर प्रॉफ्टि मार्जिन के कारण संभव हुआ है। कंपनी ने दीर्घकालिक विस्तार का मार्ग प्रशस्त करने वाली रणनीतिक पहल भी की है। एसजीएलटीएल ने बायोकॉन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर के साथ एक लॉंगटर्म एजेंसी एग्रीमेंट किया है, जिसके तहत सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड सहित प्रमुख दक्षिण पूर्व एशियाई बाजारों में बायोकॉन के कटर बेस को एसजीएलटीएल के निर्मित प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट संभव होगा। यह पार्टनरशिप न केवल कंपनी की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को बढ़ाएगी, बल्कि एसजीएलटीएल की मैनुफैक्चरिंग कैपेसिटी को बायोकॉन के डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के साथ जोड़कर हाई-ग्रोथ इंडस्ट्रियल सेग्मेंट्स तक पहुँच भी खोलेगी। अपनी वैश्विक उपस्थिति को और मज़बूत करते हुए, एसजीएलटीएल ने दक्षिण कैरोलिना, अमेरिका में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग इंक., की स्थापना की है, जो इंडस्ट्रियल मैनुफैक्चरिंग का एक उभरता हुआ केंद्र है। यह नई इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स एंड प्रोसेस इक्विपमेंट सेगमेंट ध्यान केंद्रित करेगी और इससे कंपनी को उत्तरी अमेरिकी बाज़ार में ग्राहकों के और करीब लाने, सप्लाई चैन एफिशिएंसी में सुधार लाने और विकास के नए अवसर खोलने की उम्मीद है। वित्तीय प्रदर्शन के संदर्भ में, एसजीएलटीएल ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 178 करोड़ रुपए की कुल आय दर्ज की, जो साल-दर-साल 23.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। एबिटडा 35 करोड़ रुपए रहा, जो साल-दर-साल 31.9त्न की वृद्धि दर्शाता है, और 19.5 प्रतिशत का अच्छा एबिट्डा मार्जिन भी रहा। प्रॉफ्टि बिफ़ोर टैक्स बढ़कर 28 करोड़ रुपए हो गया, जो साल-दर-साल 39.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जबकि प्रॉफ्टि आफ्टर टैक्स 21 करोड़ रुपए तक पहुँच गया, जो साल-दर-साल 37.6 प्रतिशत की वृद्धि और 11.9त्न का पैट मार्जिन दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ की पुनरीक्षित हॉफबिजली बिल योजना से 31 लाख सामान्य और कमजोर वर्ग के उपभोक्ताओं को मिलेगा पूर्ववत लाभ

15 लाख बीपीएल परिवारों को मिलती रहेगी मुफ्त बिजली की सुविधा, सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम

मूक पत्रिका/ रायपुर - छत्तीसगढ़ सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देने वाली हॉफ बिजली बिल योजना के अंतर्गत दी जाने वाली 400 यूनिट की मासिक छूट की सीमा में युक्तियुक्त संशोधन करते हुए अब 100 यूनिट तक की मासिक खपत पर 50 प्रतिशत की रियायत देने का निर्णय लिया है।

वर्तमान में राज्य में लगभग 45 लाख घरेलू उपभोक्ता परिवार हैं, जिनमें से 31 लाख परिवारों की मासिक खपत 100 यूनिट से कम है। यह लगभग 70 प्रतिशत उपभोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करता है। अत: इस संशोधन के बावजूद, इन 31 लाख जरूरतमंद सामान्य एवं कमजोर वर्ग के उपभोक्ताओं को योजना का लाभ पूर्ववत मिलता रहेगा। इन 31 लाख परिवारों में 15 लाख बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) परिवार भी शामिल हैं, जिन्हें पूर्ववत 30 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलती रहेगी। इसके साथ ही वे हॉफबिजली बिल योजना के तहत अन्य सभी लाभों से भी यथावत लाभान्वित रहेंगे।

राज्य सरकार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को भी तेज़ी से लागू कर रही है, जिसके अंतर्गत उपभोक्ताओं को रूफ्टॉप सोलर प्लांट स्थापित करने पर केंद्र और राज्य सरकारों से अधिकतम 1,08,000/- तक की सब्सिडी दी जा रही है।इस योजना के तहत 1 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट से प्रतिमाह औसतन 120 यूनिट बिजली उत्पादन होता है, जिस पर ?30,000 केंद्र से व ?15,000 राज्य से, कुल ?45,000 की वित्तीय सहायता दी जाती है। उपभोक्ता को लगभग ?15,000 स्वयं वहन करने होते हैं। इसी प्रकार 2 किलोवॉट प्लांट के लिए प्रतिमाह औसतन 240 यूनिट उत्पादन संभव है, जिस पर ?90,000 तक कुल सब्सिडी (60,000 केंद्र + 30,000 राज्य) मिलती है। उपभोक्ता को केवल 30,000 खर्च करना होता है।

3 किलोवॉट क्षमता के प्लांट से प्रतिमाह औसतन 360 यूनिट उत्पादन संभव है, और इसमें 78,000 केंद्र + 30,000 राज्य यानी कुल 1,08,000 की सहायता मिलती है। उपभोक्ता को 72,000 वहन करना पड़ता है, जो ऋण पर भी उपलब्ध है।

उल्लेखनीय है कि 2 किलोवॉट या अधिक क्षमता वाले प्लांट लगाने वाले उपभोक्ता प्रतिमाह 200 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन 25 साल तक कर सकते हैं, जो हॉफ बिजली योजना से मिलने वाली अधिकतम छूट (400 यूनिट पर 200 यूनिट रियायत) से भी ज्यादा है। ऐसे उपभोक्ता अपने घर में सौर ऊर्जा से उत्पन्न विद्युत का उपयोग कर न सिर्फ बिजली खर्च से मुक्ति पा सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में प्रवाहित कर आय भी अर्जित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली, स्थायी बचत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करेगी। साथ ही, पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की दिशा में भी यह एक बड़ा कदम साबित होगा। इससे छत्तीसगढ़ के उपभोक्ता हॉफ बिजली बिल से मुफ्त बिजली बिल योजना की ओर स्वाभाविक रूप से अग्रसर होंगे। उपभोक्ता किसी भी योजना पर निर्भर न रहते हुए स्वयं अपनी छत पर ऊर्जा उत्पादन कर उर्जादाता बनेंगे। यह रणनीतिक पहल राज्य को स्वच्छ ऊर्जा, आर्थिक बचत और ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में आगे बढ़ाएगी।

रोटरी क्लब जगदलपुर का हुआ 54 वां गौरवशाली शपथ ग्रहण समारोह संप्पन

मूक पत्रिका/ जगदलपुर - मुख्यालय स्थित रोटरी हॉल में रविवार को रोटरी क्लब जगदलपुर का 54 वां शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय माहौल मे संप्पन हुआ. इस अवसर पर नए अध्यक्ष और पदाधिकारीयों ने अपने-अपने पदों की शपथ ली. सर्वप्रथम रोटरी अध्यक्ष के रूप में राहुल जैन एवं रोटरी सचिव के रूप में अमरदीप सोढ़ी वहीं इनरव्हील अध्यक्षा के रूप में रेशमा चामड़िया एवं सचिव प्रीति आजाद तथा रोटरेक्ट क्लब जगदलपुर के अध्यक्ष के रूप में दिव्यांश सिंगल एवं सचिव शुभम सोनी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अमित जायसवाल छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, महापौर संजय पांडे की उपस्थिति रहे। इस मौके पर रोटरी क्लब द्वारा नगर निगम जगदलपुर को डिस्पोजल बिन भेंट किया गया जिसका शुभारंभ शहर के महापौर संजय पांडे के कर कमलो द्वारा किया गया।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अमित जायसवाल ने कहां इस वर्ष स्वास्थ्य शिक्षा स्वच्छता और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में कई जनकल्याणकारी गतिविधियों का संचालन किया जाएगा.

नवनिर्वाचित अध्यक्ष राहुल जैन ने क्लब के आगामी लक्ष्यों एवं सेवा कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रतिबद्धता जताई।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का सम्मान का धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया.

इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब के सदस्य शहर के गणमान्य अतिथि एवं मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे.कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन साहिल बारवटिया एवं निखिल दीवान ने किया !

सावन सोमवार के अंतिम दिन बकावंड थाना परिसर में भंडारे का भव्य आयोजन

मूक पत्रिका/ बकावड़ - सावन मास के अंतिम सोमवार को बकावंड थाना के द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें कावड़ यात्रियों के साथ-साथ क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से व्यवस्था की गई थी। आयोजन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, माताओं और बहनों ने बड़ी श्रद्धा के साथ अपनी भागीदारी निभाई।

भक्तों ने 'हर हर महादेव' के जयकारों के बीच भगवान भोलेनाथ की महाआरती और महामंडल किया। इस अवसर पर भंडारे में आये श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया, जिससे वातावरण पूरी तरह शिवमय हो उठा। आयोजन में क्षेत्र के नागरिकों के साथ-साथ थाना स्टाफ की भी सक्रिय भूमिका रही, जिन्होंने व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया।

भक्तों ने इस आयोजन के लिए बकावंड थाना परिवार का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस तरह के आयोजनों से आपसी सौहार्द और श्रद्धा दोनों को बल मिलता है। सावन सोमवार के इस पावन अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

अपहरण कर मारपीट और लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपी को बस्तर पुलिस ने किया गिरफ्तार

बोधघाट थाना क्षेत्र का हैं मामला प्रकरण के दो मुख्य आरोपी की लगातार पता साजी किया जा रहा है

मूक पत्रिका/ जगदलपुर - पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य में एक व्यक्ति को अपहरण कर मारपीट कर लूट की घटना की वारदात में शामिल दो युवक को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है।

ज्ञात हो कि थाना बोधघाट के गीदम नाका के पास स्थित एक कबाड़ी यार्ड जिसका संचालन नितिन साहू नाम का व्यक्ति कर रहा है ने अपने दोस्त आयुष राजपूत के साथ दिनांक 25. 07.25 को रात 09.30 को अपने यहां 10 से साल ड्राइवरी का काम कर रहे खुर्शीद अहमद पिता नवाब अली, 34 साल, कौशांबी, क्क जो कि वर्तमान में गीदम नाका में किराया के मकान में रह कर अन्य के यहां ड्राइवरी का काम कर रहा था को फोन कर गाड़ी लेकर हैदराबाद ले जाने के लिए बुलाया और खुर्शीद द्वारा मना करने पर उसे बल पूर्वक अपने गाड़ी में बैठाकर उसे सरगीपाल स्थित अजुनी फार्म हाउस में ले गए जहां उसके साथ बंधक बनाकर मारपीट किया गया तथा पूर्व में गाड़ी चलाने के दौरान अवैध पैसे अर्जन की बात का आरोप लगाते हुए घर में कॉल कर इसे जान से मार देने की धमकी देते हुए 1,00,000/ रुपए की मांग किए, तत्पश्चात इसे बंधक बनाकर हैदराबाद ले गए और इसे शहर के बाहर एक जंगल में रोड किनारे छोड़ दिया गया तथा आरोपीगण वहीं से फरार हैं, दिनांक 02.08.25 को पीड़ित से संपर्क कर उसे कार्यवाही का आश्वाशन देने से उसके द्वारा थाना बोधघाट में अपराध दर्ज कराने पर अपराध क्रमांक 327/25

धारा 140.2, 309.6, 133 BNS

तथा 25,27 आर्म्स एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया है।

विवेचना दौरान पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अमित देवांगन के पर्यवेक्षन में तत्काल कार्यवाही हेतु लीलाधर राठौर के नेतृत्व में टीम तैयार कर प्रकरण में शामिल आरोपियों की पता साजी की जा रही है, उक्त टीम के द्वारा प्रार्थी की निशानदेही पर घटना स्थान अजूनी फॉर्म हाउस का निरीक्षण कर मौके से आरोपीगण तथा प्रार्थी से संबंधित आवश्यक साक्ष्य को एकत्रित कर कब्जा पुलिस लेकर घटना स्थल को शील किया गया, पता साजी दौरान घटना में शामिल दो अन्य आरोपी नीलम नाग पिता प्रेश नाग उम्र 22 वर्ष, संजू उर्फ़पिंटू बघेल उम्र 22 वर्ष दोनों निवासी दंतेश्वरी वार्ड जगदलपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जिसके द्वारा आयुष राजपूत एवं मिथलेश साहू के साथ मिलकर घटना कारित करना कबूल करने से उक्त दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायलय पेश किया गया, तथा प्रकरण में हैदराबाद से ही फरार मुख्य आरोपीगण नितिन साहू तथा आयुष राजपूत की लगातार पतासाजी की जा रही है, पता तलाश हेतु अलग अलग दिशाओं में टीम भेजी गई है।

निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया आयुक्त ने

कोरबा। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने नगर पालिक निगम कोरबा से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को सम्मानित किया तथा उन्हें सेवानिवृत्त प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उनके स्वस्थ व दीर्घ जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होने इन सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कार्य के प्रति निष्ठा व समर्पण भावना की सराहना करते हुए शहर की विकास यात्रा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

नगर पालिक निगम कोरबा में अपनी दीर्घ अवधि की सेवा के पश्चात मार्च 2025 से जुलाई 2025 तक की अवधि में निगम में विभिन्न पदों पर कार्यरत 17 कर्मचारी सेवा से निवृत्त हुए हैं। निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में गुरूवार को इन सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के सम्मान हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल व श्रीफल भेंटकर उन्हें सम्मानित किया, उन्हें सेवानिवृत्त प्रमाण पत्र प्रदान किया, स्मृतिचिन्ह भेंट किए तथा उनके स्वस्थ व दीर्घ जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। इस मौके पर आयुक्त श्री पाण्डेय ने इन कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए कहा कि शासकीय सेवा में कार्यरत सभी अधिकारी कर्मचारी निर्धारित आयु सीमा के पश्चात सेवा से निवृत्त होते ही हैं, आप लोग भी अपनी दीर्घकालीन सेवा देने के पश्चात आज दायित्वों से मुक्त हो रहे हैं, आपके जीवन की दूसरी पारी अब प्रारंभ हो रही है,

एशिया कप, भारत-पाकिस्तान 14 सितंबर को दुबई में खेलेंगे

फाइनल समेत सुपर-4 के एक मैच को छोड़कर सभी मैच यहीं होंगे; टूर्नामेंट 9 सितंबर से

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को मेंस एशिया कप के मुकाबलों के लिए वेन्यू का ऐलान कर दिया। हालांकि, शेड्यूल का ऐलान पहले ही किया जा चुका था। एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मुकाबला रविवार (14 सितंबर) को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में हैं। ऐसे में रविवार (21 सितंबर) को सुपर 4 मैच में फिर से उनके आमने-सामने होने की उम्मीद है।

साइना नेहवाल ने तलाक का फैसला लिया वापस

पति पारुपल्ली कश्यप के साथ रिश्ते को दिया एक और मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट साइना नेहवाल ने 14 जुलाई, 2026 को अपने पति पारुपल्ली कश्यप से अलग होने का फैसला किया था, लेकिन अब इस कपल ने अपने फैसले को वापस ले लिया है. बैडमिंटन प्लेयरसाइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप अपने रिश्ते को एक और मौका देना चाहते हैं. साइना नेहवाल ने आज शानिवार, 2 अगस्त को अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी शेयर की.

साइना नेहवाल ने 19 दिन में बदला फैसला

साइना नेहवाल ने 19 दिन पहले 13 जुलाई की रात को इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करके अपने पति पारुपल्ली कश्यप से अलग होने का ऐलान किया था. साइना नेहवाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था कि जिंदगी हमें कभी-कभी अलग-अलग रास्तों पर ले जाती है. बैडमिंटन प्लेयर ने आगे लिखा था कि मैंने और पारुपल्ली कश्यप ने काफी सोचने के बाद अलग होने का फैसला किया है. हम एक-दूसरे के लिए शांति, तरक्की और बेहतर जीवन चुनना चाहते हैं. मैं अब तक ही सभी यादों के लिए खुद को भाग्यशाली मानती हूं और इसके बदले में कुछ नहीं चाहती. साइना नेहवाल ने आगे लिखा था कि हमारी बात समझने के लिए शुक्रिया और हमारी प्राइवेसी का भी ध्यान रखिएगा.

साइना नेहवाल ने अपने इस पोस्ट के 19 दिन बाद ही पारुपल्ली कश्यप के साथ रिश्ते को एक और मौका दिया है. साइना ने इस पोस्ट में अपने पति के साथ फोटो शेयर की है. इस फोटो में वे पहाड़ों में घूमते नजर आ रहे हैं. इस तस्वीर के साथ साइना नेहवाल ने लिखा कि कभी-कभी दूरियां आपको लोगों की अहमियत बता देती हैं. यहां हम दोनों हैं और फिर एक बार कोशिश कर रहे हैं. इस पोस्ट को साइना नेहवाल ने पारुपल्ली कश्यप के साथ कोलैबोरेशन में शेयर किया है.

यह शतक से कम नहीं...

कप्तान गिल और अन्य ने आकाश दीप के अर्धशतक की अहमियत बताई

लंदन (यूके), एजेंसी आकाश दीप इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले जा रहे अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन देर रात चौथे नंबर पर नाइट वॉचमैन के तौर पर उतरे। बहुत कम लोगों को उम्मीद थी कि वह ज़्यादा देर तक टिकेंगे, लेकिन तीसरे दिन के अंत तक, इस तेज गेंदबाज ने 94 गेंदों पर 66 रनों की निर्णायक पारी खेली जिसका अहम योगदान भारत को 396 रनों का स्कोर बनाने में मदद कर सका। भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया, जहां सभी ने आकाश की बल्लेबाजी पर अपने विचार साझा किए। आकाश ने बल्लेबाजी के लिए जाने से पहले अपनी मानसिकता की एक झलक साझा की। उन्होंने कहा, जब मैं कल रात सोने गया, तो मेरी मानसिकता यही थी कि मैं आउट नहीं होना चाहता। अगर गेंद मुझे आउट भी कर दे, तो भी मैं आउट नहीं होना चाहता। अगर गेंद शरीर पर भी लगे, तो भी मैं खेलना चाहता हूं। आकाश ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ 107 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, बेहतरीन बल्लेबाजी की और इंग्लिश आक्रमण को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा, जहां गेंद को खेलने की जरूरत थी, हमने जशू (यशस्वी जायसवाल) के साथ 100 रनों की साझेदारी की। इसलिए यह मेरे लिए बहुत खास है। अर्धशतक तो खास है ही, उससे भी ज्यादा खास है वो दो घंटे जो मैंने सुबह टीम के लिए खेले, वो। दूसरी तरफ से मुकाबला देख रहे जायसवाल ने अपने साथी की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की वो कमाल की है। हम बीच में अच्छी बातचीत कर रहे थे। हां, मुझे उम्मीद है कि वो हमारे लिए ऐसा करते रहेंगे।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल आकाश की पारी की तारीफ करते नहीं थक रहे थे। भारतीय कप्तान ने कहा, काफी समय से हम आपस में मजाक करते आ रहे हैं। बल्लेबाज गेंदबाजों को योगदान देने के लिए कहते रहते हैं। आज सुबह जब वह बल्लेबाजी करने गए, तो हमने उनसे एक बात कही, अगर कोई गेंद आपके रडार में है, तो उसका पूरा इस्तेमाल करने की कोशिश करो। मुझे लगता है कि उनके 66 रन किसी शतक से कम नहीं हैं।

जेसन होल्डर की मदद से वेस्टइंडीज की पाकिस्तान पर रोमांचक जीत, सीरीज में बराबरी की

लॉडरहिल (अमेरिका), एजेंसी। जेसन होल्डर ने चार विकेट लिए और फिर मैच की अंतिम गेंद पर चौका जड़ा जिससे वेस्टइंडीज ने कुछ विषम पलों से गुजरते हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 2 विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। अनुभवी ऑलराउंडर होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए और पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पाकिस्तान को 9 विकेट पर 133 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के केवल तीन बल्लेबाज हसन नवाज (40), कप्तान सलमान आगा (38) और फखर जमा (20) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर 5 विकेट पर 70 रन था, लेकिन गुडाकेश मोती (28) और रोमारियो शेफर्ड (15) ने उसे मुकाबले में बनाए रखा। वेस्टइंडीज को जीत के लिए अंतिम गेंद पर तीन रन की जरूरत थी। होल्डर ने पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की गेंद को चार रन के लिए भेजकर वेस्टइंडीज का स्कोर आठ विकेट पर 135 रन पर पहुंचाया। होल्डर ने 10 गेंद पर नाबाद 16 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद नवाज ने तीन और सैम अयूब ने दो विकेट लिए। यह वेस्टइंडीज की सात टी20 मैचों में पहली जीत है। उसे पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैच की श्रृंखला में 5-0 से हराया था।

रविंद्र जडेजा इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय की लिस्ट में नंबर 3 पर पहुंचे, गावस्कर-स्टीव वॉ का यह रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट मैच की पहली पारी में रविंद्र जडेजा ने 9 रन बनाए, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने काफी अच्छी बैटिंग की और 77 गेंदों पर 5 चौकों के साथ 53 रन की अहम पारी खेली। इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने दूसरी पारी में 396 रन बनाए जिसमें जडेजा का भी अहम योगदान रहा। जडेजा ने अपनी इस अर्धशतकीय पारी के दम पर कुछ शानदार रिकॉर्ड्स अपने नाम किए और वो अब इंग्लैंड में भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए और सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया साथ ही एक टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में 5वें नंबर पर आ गए और स्टीव वॉ को पीछे छोड़ दिया।

सुनील गावस्कर से आगे निकले जडेजा

रविंद्र जडेजा अब भारत की तरफ से इंग्लैंड की धरती पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए। जडेजा ने इंग्लैंड की धरती पर अब तक टेस्ट में 33 पारियों में 1158 रन बनाए हैं जबकि गावस्कर ने 28 पारियों में 1152 रन बनाए थे। इस लिस्ट में 1575 रन के साथ सचिन तेंदुलकर पहले स्थान पर हैं जिन्होंने ये रन 30 पारियों में बनाए थे।

इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स

1575 रन - सचिन तेंदुलकर (30)
1376 रन - राहुल द्रविड़ (23)
1158 रन - रविंद्र जडेजा (33)
1152 रन - सुनील गावस्कर (28)
1146 रन - केएल राहुल (28)
1096 रन - विराट कोहली (33)
1035 रन - ऋषभ पंत (24)

स्टीव वॉ से आगे निकले जडेजा

एक टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में जडेजा अब 5वें नंबर पर आ गए और स्टीव वॉ को पीछे छोड़ दिया। जडेजा ने इस टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ 516 रन बनाते हुए वॉ को पीछे छोड़ा। वॉ ने 1989 में इंग्लैंड के खिलाफ ही एक टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए 506 रन बनाए थे।

एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन (नंबर 6 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए)

722 रन - गैरी सोबर्स बनाम इंग्लैंड, 1966
606 रन - डेनिस लिंडसे बनाम ऑस्ट्रेलिया, 1966
562 रन - शिवनारायण चंद्रपॉल बनाम भारत, 2002
517 रन - वसीम राजा बनाम वेस्टइंडीज, 1977
516 रन - रविंद्र जडेजा बनाम इंग्लैंड, 2025
506 रन - स्टीव वॉ बनाम इंग्लैंड, 1989

पीसीबी का बड़ा फैसला, अब डब्ल्यूसीएल में नहीं खेलेगा पाकिस्तान

भारत के न खेलने पर लगाया पूरी तरह से बैन; साउथ अफ्रीका चैंपियन बना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पिछले सीजन पाकिस्तान को हराकर वर्ल्ड चैंपियंनशिप ऑफ लीजेंड्स का खिताब जीता था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भविष्य में हिस्सा लेने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। यह फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच हुए विवाद के बाद लिया गया। भारतीय टीम ने डब्ल्यूसीएल 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ दो मैच खेलने से इनकार कर दिया था। इसमें सेमीफाइनल और ग्रुप स्टेज का मुकाबला शामिल है। पीसीबी ने इसकी घोषणा रविवार को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 79वीं मीटिंग के बाद की। मीटिंग की अध्यक्षता मोहसिन नकवी ने की । पीसीबी ने बयान में कहा गया, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम के मद्देनजर, जो बाहरी दबावों के स्पष्ट और असहनीय प्रभाव तथा खेल की निष्पक्षता के सिद्धांतों की अवहेलना को उजागर करता है, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को मजबूरी में कड़ा रुख अपनाना पड़ रहा है। पीसीबी अब ऐसे टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं दे सकता, जहां निष्पक्ष खेल भावना और स्वतंत्र संचालन जैसे मूलभूत सिद्धांत बाहरी हस्तक्षेप के कारण समझौते की भेंट चढ़ जाएं।

World Championship of Legends 2025:

एबी डिविलियर्स के तूफान में उड़ा पाकिस्तान

साउथ अफ्रीका बना चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 के फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका चैंपियंस का सामना पाकिस्तान चैंपियंस के साथ एजबेस्टन, बर्मिंघम में हुआ। इस मैच में एबी डिविलियर्स की तूफानी नाबाद शतकीय पारी के दम पर प्रोटियाज ने पाकिस्तान को 9 विकेट से हरा दिया और वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का खिताब अपने नाम किया। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था और फिर 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाए। साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 196 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 16.5 ओवर में एक विकेट पर 197 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस हार के साथ ही मोहम्मद हफीज की कप्तानी में पाकिस्तान का चैंपियन बनने का सपना टूट गया और इस टीम को उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

साउथ अफ्रीका की पारी, एबी ने 47 गेंदों पर लगाया शतक - साउथ अफ्रीका के लिए ओपनर हाशिम अमला ने 18 रन बनाए। एबी डिविलियर्स ने पहले 24 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और फिर उन्होंने 47 गेंदों पर शतक पूरा किया जो इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा शतक भी रहा। एबी ने पाकिस्तान के खिलाफ इस मैच में 60 गेंदों पर 7 छक्के और 12 चौकों की मदद से नाबाद 120 रन की पारी खेली जबकि डुमिनी ने उनका पूरा साथ दिया और उन्होंने 28 गेंदों पर 2 छक्के और 4 चौकों की मदद से नाबाद 50 रन की पारी खेली। पाकिस्तान की तरफ से एकमात्र विकेट सईद अजमल को मिला।

पाकिस्तान की पारी, शरजील खान ने खेली 76 रन की पारी - पाकिस्तान की तरफ से ओपनर बल्लेबाज शरजील खान ने अपनी टीम के लिए सबसे बड़ी पारी खेली और उन्होंने 44 गेंदों पर 4 छक्के और 9 चौकों की मदद से 76 रन की पारी खेली। कामरान अकमल 2 रन पर आउट हुए जबकि कप्तान मोहम्मद हफीज ने 17 रन तो शोएब मलिक ने 20 रन बनाए। उमर अमीन ने 19 गेंदों पर नाबाद 36 रन की पारी खेली जबकि आसिफ अली ने 15 गेंदों पर 28 रन बनाए। आमिर यामीन 2 रन की पारी खेलकर नाबाद रहे। साउथ अफ्रीका के लिए पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में विल्जोएन और वेन पार्नेल ने 2-2 विकेट लिए जबकि ओलिवियर को एक सफलता मिली।

नेशनल बैंक ओपनः विक्टोरिया एमबोको ने कोको गॉफ को हराकर किया उलटफेर, गत चैंपियन पोपिरिन क्वार्टर फाइनल में

मांट्रियल, एजेंसी। कजाखस्तान की नौंवी वरीय एलेना रिबाकिना ने यूक्रेन की डायना यास्त्रेमस्का को 5-7 6-2 7-5 से हराया। क्वार्टर फाइनल में कोस्तयुक और यास्त्रेमस्का आमने-सामने होंगी। कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया एमबोको ने शीर्ष वरीय कोको गॉफ को हराकर उलटफेर करते हुए शनिवार को यहां नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की 85वें नंबर की खिलाड़ी और 18 वर्षीय एमबोको ने एक घंटा और 22 मिनट में गॉफ को 6-1 6-4 से हराया। फ्रेंच ओपन जीतने के बाद से गॉफ की पांच मैच में यह तीसरी हार है। फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद उन्हें बर्लिन और विंबलडन में पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को हुए मुकाबले में गॉफ ने पांच डबल फॉल्ट किए। उन्होंने पहले मैच में डेनियली कोलिन्स के खिलाफ 23 और वेरोनिका कुदरमेतोवा के खिलाफ 14 डबल फॉल्ट किए थे। मई में गॉफ ने रोम में एमकोबो के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 3-6 6-2 6-1 से जीत दर्ज की थी। अन्य मुकाबलों में 24वीं वरीय यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक ने अमेरिका की मैकार्टनी केसलर को 5-7 6-3 6-3, जबकि कजाखस्तान की नौंवी वरीय एलेना रिबाकिना ने यूक्रेन की डायना यास्त्रेमस्का को 5-7 6-2 7-5 से हराया। क्वार्टर फाइनल में कोस्तयुक और यास्त्रेमस्का आमने-सामने होंगी।

पोपिरिन नेशनल बैंक ओपन के क्वार्टर फाइनल में - ऑस्ट्रेलिया के गत चैंपियन एलेक्सी पोपिरिन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस प्रतियोगिता में 18वीं वरीयता प्राप्त पोपिरिन ने डेनमार्क के पांचवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रूण को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने हमवतन लर्नर टिएन को 6-3, 6-3 से हराया। मिशेलसन का अगला मुकाबला रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव से होगा, जिन्होंने नॉर्वे के आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-4, 7-5 से पराजित किया।

कोपा अमेरिका फैमिनाः

ब्राजील फुटबॉल टीम फिर चैंपियन, नौवीं बार जीता कोपा अमेरिका फेमिनिना का खिताब

क्विटो (इक्वाडोर), एजेंसी। छह बार विश्व की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही मार्टा के शानदार प्रदर्शन की मदद से ब्राजील की महिला फुटबॉल टीम ने तीन बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए कोलंबिया को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर नौवां कोपा अमेरिका फेमिनिना खिताब जीता। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर 39 वर्षीय मार्टा ने 82वें मिनट में मैदान पर कदम रखा और इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल करके ब्राजील को 3-3 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त समय में भी गोल किया जिससे ब्राजील ने पहली बार मैच में बढ़त बनाई। लेसी सैंटोस ने 115वें मिनट में गोल करके कोलंबिया को 4-4 की बराबरी पर ला दिया और मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया। गोलकीपर लोरेना दा सिल्वा ने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाकर ब्राजील को महाद्वीपीय चैंपियनशिप में लगातार पांचवां खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। ब्राज़ील ने पिछले पांच फाइनल में चौथी बार कोलंबिया को हराया।

हर-हर महादेव और जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा सोमनाथ धाम, आनंदगाव में निकली ऐतिहासिक विशाल कांवड़ पदयात्रा

विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप मे हुए शामिल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

श्रावण मास के पावन अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बोल बम कांवड़ यात्रा समिति द्वारा भव्य कांवड़ पद यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं आस्था के साथ भाग लिया। कांवड़ यात्रा की शुरुआत ग्राम आनंदगांव से हुई, जो तेलगा, बारगांव, पाहंदा, अच्छोली, जमघट, चेटूवा, सहगांव, खुड़मुड़ा, भरदा और मुड़पार होते हुए सोमनाथ धाम पहुंची। इस पुण्य अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। ग्राम अच्छोली स्थित सेवा सहकारी समिति परिसर में विधायक साहू द्वारा ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर कांवड़ यात्रा में श्रद्धापूर्वक शामिल हुए। उन्होंने शिवभक्तों के साथ मिलकर ÷हर हर महादेव÷ के जयघोष में भावविभोर होकर भक्ति रस में झूमते हुए यात्रा की शोभा बढ़ाई।

यात्रा का मुख्य आकर्षण जय माँ शाकंभरी जस बइहा झांकी परिवार, भिलाई द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक झांकी रही, जिसने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। सोमनाथ मंदिर में विधायक दीपेश साहू की उपस्थिति में श्रद्धालुओं ने विधिवत जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर बाबा भोलेनाथ से क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। दर्शन के पश्चात श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी और शिवनाथ नदी में नौका विहार का आनंद लिया एवं गंगा मैया की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। विधायक दीपेश साहू ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा–श्रावण मास शिव आराधना का महापर्व है। कांवड़ यात्रा एक आध्यात्मिक और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

इस यात्रा में जन-जन की आस्था और ऊर्जा देखने लायक थी। मैं बोल बम समिति और समस्त ग्रामवासियों को इस अद्भुत आयोजन के लिए हृदय से बधाई देता हूँ।÷यात्रा के समापन पर महाप्रसादी भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक साहू ने स्वयं श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित कर सेवा का संदेश दिया। इस विशाल आयोजन में पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश मंत्री अवधेश सिंह चंदेल, भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भोलाशंकर वर्मा, भाजपा भींभौरी मंडल महामंत्री पोषण वर्मा, भाजपा आई.टी. सेल जिला संयोजक सौरभ मिश्रा, सरदा मंडल अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा, जनपद सदस्य गौकरण साहू, प्रतिनिधि खेलन साहू, नीरज राजपूत, लालू साहू, रोहित साहू, राहुल साहू, सहित युवा मोर्चा, मंडल, जनप्रतिनिधिगण, भाजपा वरिष्ठ नेता और हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। बोल बम समिति द्वारा किए गए इस आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया बल्कि सामाजिक एकता और प्रकृति संरक्षण जैसे उद्देश्यों को भी सार्थक रूप से आगे बढ़ाया।

कलेक्टर-एसपी ने ली अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की प्रस्तावित बैठक की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की बैठक

सभी अधिकारी-कर्मचारी सौंपे गए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना सुनिश्चित करें - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा - मुख्यमंत्री एवं अध्यक्ष अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 07 अगस्त 2025 गुरूवार को अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की बैठक जिले में प्रस्तावित है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने बीते सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आवश्यक तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर महोबे ने कहा कि सभी तैयारी समय पर पूर्ण की जाए। कलेक्टर ने हेलीपेड, बेरिकेटिंग, मीटिंग से संबंधित प्रेजेंटेशन, माईक, बैठक व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, आवागमन, रोड क्लियरेंस, प्रवेश पास आदि के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को समयसीमा में कार्य पूरा करने कहा गया। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने दायित्वों का निष्ठापूर्ण निर्वहन करे और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यवस्था अधूरी न रहे। पुलिस अधीक्षक पांडेय ने सुचारु ट्रैफिक नियंत्रण एवं पार्किंग व्यवस्था हेतु पुलिस विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल की तैनाती, बेरिकेटिंग, एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स एवं अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में कमांडेंट विमल बैस, जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह, अपर कलेक्टर आर के तंबोली सहित विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नम्रता चौबे ने संभाला जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी का पदभार

बीजापुर । भारतीय प्रशासनिक सेवा 2022 बैच की अधिकारी नम्रता चौबे ने सोमवार को जिला पंचायत, बीजापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया। वे इससे पूर्व महासमुंद जिले के सरायपाली में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के पद पर पदस्थ थीं।वे मूलतः झारखंड के गढ़वा जिले की निवासी हैं।

जनसेवक शिवम् तिवारी ने महारुद्राभिषेक में शामिल होकर लिया आशीर्वाद

श्रावण के चतुर्थ सोमवार को अकोला ग्राम में सम्पन्न हुआ शिव पूजन कार्यक्रम

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्राम अकोला में श्रावण मास के पावन अवसर पर कल्याणार्थ महारुद्राभिषेक एवं शिव पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चतुर्थ सोमवार को आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में पंचवैदिक विद्वानों ङ्क आचार्य पं. अशोक शास्त्री, पं. राकेश शास्त्री, पं. अखिलेश शास्त्री, पं. विकास पाण्डेय एवं पं. ईश्वरी दुबे ङ्क द्वारा विधिपूर्वक रुद्राभिषेक सम्पन्न कराया गया।इस पावन अवसर पर जनसेवक एवं भाजपा नेता शिवम् तिवारी ने भी शिव पूजन एवं आरती में सहभागिता कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। उन्होंने अद्भुत संचार देखने को

क्षेत्रवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में ग्रामवासियों की बड़ी उपस्थिति रही और धार्मिक वातावरण में श्रद्धा का मिला।जनहित में आयोजित यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत बना, बल्कि ग्रामवासियों के बीच सामूहिक एकता और समर्पण की मिसाल भी प्रस्तुत की।

प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हुआ पक्के घर का सपना - सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम : दीपेश साहू विधायक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर पालिका बेमेतरा द्वारा बीते सोमवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) फेज 2.0 के अंतर्गत भवन अनुज्ञा एवं स्वीकृति-पत्र वितरण का भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने किया द्य कार्यक्रम मे 102 नए स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा एवं स्वीकृति-पत्र प्रदान किए गए, जिससे लाभार्थियों के वर्षों पुराने पक्के घर के सपनों को साकार किया गया। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा प्रधानमंत्री आवास योजना

समाज के वंचित, गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए एक नई रोशनी बनकर आई है। यह केवल एक आवासीय योजना नहीं, बल्कि हर गरीब परिवार को गरिमा के साथ जीने का अधिकार देने वाला परिवर्तनकारी अभियान है। जो लोग वर्षों से एक पक्के घर के लिए संघर्ष कर रहे थे, आज उन्हें उनका हक मिल रहा है। यह स्वीकृति-पत्र केवल एक कागज नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, स्थायित्व और सामाजिक सुरक्षा का दस्तावेज है। विधायक दीपेश साहू ने कहा की जब हितग्राहियों ने अपने हाथों में प्रमाण पत्र थामे – उनके चेहरों की मुस्कान, आंखों की चमक और मन की संतुष्टि, जैसे वर्षों पुराना सपना आज साकार हो गया हो। उन्होंने कहा यह संभव हो पाया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संकल्पित नेतृत्व में, जो ÷सशक्त भारत - सशक्त छत्तीसगढ़÷ की कल्पना को साकार कर रहे हैं।छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार की प्राथमिकता यही है कि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे। हर गांव, हर कस्बा और हर नगर में हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे।विधायक साहू ने यह भी कहा कि आने वाले समय में हर जरूरतमंद परिवार को अपना पक्का घर मिले, इसके लिए सभी जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी पूरी तत्परता से काम करें। उन्होंने नगर पंचायत की टीम को भी बेहतर कार्यों के लिए बधाई दी।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा आज का दिन नगर पालिका बेमेतरा के लिए गर्व का विषय है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 102 परिवारों को पक्के घर के सपने की ओर एक सशक्त कदम मिला है। यह सिर्फ एक योजना का वितरण नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, आत्मसम्मान और स्थायित्व का उत्सव है।÷ उन्होंने कहा कि ङ्कहमारे सभी पार्षदगण बेहद सक्रिय हैं और जनसेवा के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। गर्मी के कठिन समय में उन्होंने अपने व्यक्तिगत संसाधनों से नगरवासियों को पेयजल संकट से राहत दिलाने का काम किया। यह नगर के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी और समर्पण को दर्शाता है।÷ हम माननीय विधायक दीपेश साहू के नेतृत्व में एक विकसित, सुसज्जित और आत्मनिर्भर बेमेतरा की परिकल्पना को साकार करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। आज नालंदा परिसर, केन्द्रीय विद्यालय, पक्की सड़कें, नालियों से लेकर हर विकास योजना के पीछे यही संकल्प है – जनता का विश्वास और सेवा का उद्देश्य।÷कार्यक्रम के समापन अवसर पर नगर पालिका बेमेतरा कोमल सिँह ठाकुर ने मंच से आभार प्रदर्शन करते हुए कहा यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि बीते सोमवार को क्षेत्रीय विधायक की उपस्थिति में यह ऐतिहासिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। हम सभी लाभार्थियों को बधाई देते हैं और आश्वस्त करते हैं कि नगर पंचायत की ओर से हर योजनागत कार्य में पारदर्शिता और संवेदनशीलता बरती जाएगी।÷

शासन की योजनाओं की मदद से गृहणी बने उद्यमी

अम्बिकापुर/मूक पत्रिका

बीते शनिवार को अम्बिकापुर के स्थानीय चम्बोथी तालाब सभागार में शिव शक्ति महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा सावन उत्सव मनाया गया । इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्र गान से किया गया, ततपश्चात समूह के सदस्यों ने गुब्बारे फुलाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें अंजली गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, अन्य कार्यक्रम के रूप मे कुर्सी दौड़ का आयोजन हुआ जिसमें पार्वती ने पहला स्थान प्राप्त किया समूह की सीआरपी आसना दीदी द्वारा सभी महिलाओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर समूह की महिलाओं द्वारा नगर की घरेलु महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाये जाने के उद्देश्य से अन्य लोगो को भी समूह से जोड़े जाने और शासन स्तर से बहुपयोगी योजनाओं का लाभ महिलाओं को दिलाये जाने एवम

उन्हें गृहणी से उद्यमी बनाये जाने की बात कही गयी, एवं इस पर भविष्य में कार्ययोजना बनाकर वृहद रूप से कार्य करने हेतु सभी को कदम से कदम मिलाकर चलने हेतु खुला आव्हान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समूह की अध्यक्ष एवम सामाजिक कार्यकर्ता साधना कश्यप,मनोरमा मल्होत्रा, सीमा देवी, मोमिना खातून, अंजनी गुप्ता, सरिता त्रिपाठी अर्चना कश्यप, सुभद्रा कश्यप, अर्चना सिंह राणा पुष्पा कश्यप, चंपा जायसवाल ,पांचलता पांडे, रश्मि जायसवाल, किरण जयसवाल, पार्वती देवी, माया देवी,सीता गुप्ता, सरिता सोनकर, का सहयोग सराहनीय रहा।

विधायक निधि से प्रदत्त 32 लाख का सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस ऑफिस का शोभा बढ़ा रही है जनता को इसका लाभ नहीं मिल पाना शासन प्रशासन की लापरवाही - मोहन मरकाम

- **स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने किया प्रेस वार्ता**
- **9-9 एम्बुलेंस ऑफिस मे धूल खा रही है और मरीज परिजनों को एम्बुलेंस के भटकना पड़ता है, जिला मुख्यालय मे पोस्टमार्डम स्वीपर नहीं होना प्रशासन की लापरवाही है – कांग्रेस**

कोंडागांव /मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा कांग्रेस भवन मे कोंडागांव स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था का उजागर करते हुए प्रेसवार्ता आयोजित किया गया। पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते पूर्व मंत्री मोहन मरकाम ने कहा भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार मे कोंडागांव सहित सम्पूर्ण प्रदेश मे स्वास्थ्य व्यवस्था बद से बदतर हो चुकी है जनता परेशान हैं।मोहन मरकाम ने कहा कोंडागांव जिले को हमारी सरकार के दौरान विधायक निधि से सर्व सुविधायुक्त एम्बुलेंस 32 लाख की लागत से प्रदत्त किया गया था जिसका ट्रेम्पेरी रजिस्ट्रेशन एक साल का था जिसका पुनः रजिस्ट्रेशन कराना विभाग की जिम्मेदारी थी जो की आज तक रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है जिसके चलते जनता को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है यह केवल एक एम्बुलेंस ही नहीं है विभिन्न मदों से प्रदत्त सीएमएचओ ऑफिस मे ऐसे 9 एम्बुलेंस खड़ी धूल खाते हुए ऑफिस की शोभा बढ़ा रही हैं और जनता को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। बस्तर विकास प्राधिकरण से 16 जनवरी 2021 को प्रदत्त एम्बुलेंस है रूबर्न मिशन के तहत 16 जनवरी 2021 को प्रदत्त एम्बुलेंस है एल डब्लयु योजना के तहत 14 जून 2018 को प्रदत्त एम्बुलेंस है डीएमएफटी से 2017 को प्रदत्त शववाहन है सांसद निधि से 31 सितंबर 2018 को

प्रदत्त एम्बुलेंस है बोलेरो प्लस शव वाहन है 27 दिसंबर 2019 को प्रदत्त है विधायक निधि से रांधना एवं अनतपुर हेतु 27 अप्रैल 2018 को प्रदत्त एम्बुलेंस हैं जो की प्रशासन की लापरवाही विभाग की कमजोरी के चलते रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया और जनता को समर्पित यह महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा की योजना का लाभ आमजनता को नहीं मिल पा रहा है। हम स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मांग करते हैं कोंडागांव की जनता के हित को ध्यान मे रखकर दी गयी एम्बुलेंस का लाभ जनता को मिल सकें इस ओर कार्य करेंगे प्रशासन की लापरवाही को न दबाते हुए जनता के हित मे कार्य करेंगे।कोंडागांव जिले के गांव गांव से मरीज परिजनों को कई दफे एम्बुलेंस के लिए भटकते देखा जाता है जबकि 9-9 एम्बुलेंस विभाग मे धूल खा रहें यह बड़ी दुःख की बात है कांग्रेस पार्टी ऐसे लापरवाह अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए जनहित मे कदम बढ़ाने की मांग करती है कोंडागांव जिला अस्पताल गंदगी का अम्बार बन गया है सुध लेने वाला कोई नहीं है डॉक्टर्स की कमी है डीएमएफटी फंड से नियुक्त स्वास्थ्य कर्मचारियों को 4 माह से वेतन नहीं मिल रहा है ट्रिपल इंजन की सरकार मे पोस्टमार्डम के लिए एक स्वीपर नहीं है माकड़ी से बुलाना पड़ता है अन्य जगहों से बुलाना पड़ता है हमेशा परिजनों को भटकना पड़ता है यह कैसा सुशासन है क्या यही है मोदी की गारंटी। शासन प्रशासन को जनहितों को ध्यान मे रखते हुए स्वीपर की नियुक्ति तत्काल करनी चाहिए जिला मुख्यालय मे एक स्वीपर की भर्ती अगर शासन नहीं कर पा रही है तो बड़ी शर्मा की बात है। प्रेस वार्ता के दौरान पूर्व मंत्री मोहन मरकाम, जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम, पूर्व जिलाध्यक्ष झूमूकलाल दीवान,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मतलाम, महामंत्री रितेश पटेल,शहर अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन, जिला उपाध्यक्ष द्वय तरुण गोलछा, वर्षा यादव,जिला सचिव उमर मेमन,सनी चोपड़ा, रविन्द्र दीवान सहित कांग्रेस जन मौजूद रहे।

मानस गायन की भक्ति प्रस्तुति ने बांधा समां, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

महामाया धाम, बूचीपुर में गोस्वामी तुलसीदास जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्राम बूचीपुर स्थित प्राचीन महामाया धाम में बीते रविवार, 3 अगस्त को रामचरितमानस के रचयिता कविकुल शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश मानस प्रेमी परिवार संगठन ब्लॉक इकाई नवागढ़ एवं महामाया मंदिर समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय मानस महोत्सव का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर समिति के अध्यक्ष ओंकार वर्मा की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात विभिन्न मानस मंडलियों ने श्रीरामचरितमानस के भक्ति गीतों

की प्रस्तुति दी।मुख्य प्रस्तुति देने वाली मंडलियों में -जय माँ कंकालीन मानस परिवार दर्रीपारा नवागढ़,मितवा मानस परिवार करमसेन, सत्संग डोंगहार मानस मंडली अमलडीहा,शिवकृपा महिला मानस परिवार मुरता,ज्योति मानस परिवार खामही प्रमुख रहीं।ब्लॉक अध्यक्ष भागवत निर्मलकर ने जानकारी दी कि यह आयोजन बूचीपुर में पहली बार हुआ है और आगे भी त्योहारों पर मानस महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। संस्था के सलाहकार रामकुमार साहू ने रामचरितमानस के सातों कांडों को भगवान श्रीराम के अंगों के रूप में वर्णन करते हुए कहा कि यह ग्रंथ स्वयं श्रीराम का वाङ्मय स्वरूप है।

मुख्य अतिथि ओंकार वर्मा ने कहा कि भक्ति संगीत की इस श्रृंखला ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की योजना है।कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश मानस प्रेमी परिवार संगठन के संस्थापक आचार्य नेहरू गोस्वामी, प्रदेश महामंत्री नारायण निषाद, उपाध्यक्ष मुरारी साहू व दिलीप जायसवाल, सचिव डूम्मन सिंह साहू, जिला सांस्कृतिक प्रभारी हनुमान तिवारी, जनपद सदस्य शिव साहू, मंच संचालिका कल्याणी सेन सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक - सेवक राम साहू, भुवन वर्मा, डॉ. सुरेश वर्मा, हेमंत निर्मलकर, रोहित यदु, केशव राजपूत, ममता साहू, प्रेमलता साहू आदि उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।